RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 112 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 4 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

हैवानियत : टॉयलेट की सीट टूटने पर दी खौफनाक सजा प्राइवेट पार्ट में डाल दिया पेन

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत में एक निजी स्कूल में सातवीं कक्षा के छात्र के साथ अमानवीय व्यवहार करने का मामला सामने आया है। जिसके आरोप स्कूल प्रिंसिपल दंपति और महिला रिसेप्शनिस्ट पर लगे हैं। आरोपियों ने टॉयलेट सीट टूट जाने पर छात्र के साथ मारपीट की और उसके प्राइवेट पार्ट में पेन डाल दिया। वारदात के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। छात्र के पिता ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ IPC की धारा 323, 506, 34 समेत SC/ST एक्ट और 4 पॉक्सो में केस दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार तहसील कैंप थाना पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर 13-17 निवासी व्यक्ति ने बताया कि नूरवाला के होली एंजल स्कूल में उसका 14 वर्षीय बेटा सातवीं कक्षा में पढ़ता है। 3 फरवरी दोपहर करीब 1 से 3 बजे तक उसके बेटे के साथ रिसेप्शनिस्ट हेमलता, प्रिंसिपल दंपति ज्योति गुप्ता व संजय गुप्ता ने मारपीट की है। पिता ने बताया कि उसके बेटे से स्कूल में टॉयलेट सीट टूट गई थी, जिसके बाद तीनों आरोपियों ने उसे जाति सूचक शब्द कहे।

मिलेट्स से बना गिफ्ट भेजने पर बिग बी ने सीएम बघेल को कहा थैंक्स

मकर संक्रांति के दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बधाई के साथ भेजी थी मिलेट्स के गिफ्ट हैंपर्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई फिल्मी हस्तियों को मिलेट से बने गिफ्ट हैंपर्स भेजे थे। इसी हैम्पर को पाकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है और कहा है कि छत्तीसगढ़ वैसे तो कई विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है, आपके द्वारा भेजे गए मिलेट के खाद्य प्रदार्थों के लिए आपका धन्यवाद। मुख्यमंत्री ने इस पत्र को अपने ट्विटर अकाउंट पर साझा करते हुए अमिताभ बच्चन का धन्यवाद जताया है।

बता दें कि गिफ्ट हैंपर्स के माध्यम से मुख्यमंत्री बघेल ने मकर संक्रांति की बधाई भी प्रेषित की थी। मुख्यमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट कर इसकी जानकारी भी दी थी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार लगातार मिलेट्स को बढ़ावा दे रही है। मिलेट्स को प्रोत्साहन देने के क्रम में हाल ही के दिनों में मुख्यमंत्री ने विधानसभा में सभी विधायकों को मिलेट्स से बने व्यंजनों का लंच भी करवाया था। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मिलेट्स को लेकर किए जा रहे कार्यों की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने दिया रिप्लाई

अमिताब बच्चन के धन्यवाद पत्र पर सीएम बघेल ने उनका आभार जताया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय अमिताभ बच्चन जी नमस्कार! आपके द्वारा प्रेषित शुभकामना पत्र प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ की उदारता को रेखांकित करने के लिए आपका धन्यवाद। मिलेट राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ के विश्व विख्यात बनने की शुभकामनाओं के लिए हम सबकी तरफ़ से बहुत आभार।

पीएम मोदी भी कर चुके हैं तारीफ

राज्य सरकार लगातार मिलेट्स को बढ़ावा दे रही है। मिलेट्स को प्रोत्साहन देने के क्रम में हाल ही के दिनों में मुख्यमंत्री ने विधानसभा में सभी विधायकों को मिलेट्स से बने व्यंजनों का लंच भी करवाया था। छत्तीसगढ़ सरकार मिलेट्स को लेकर किए जा रहे कार्यों की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भी छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के मिलेट्स सेंटर को लेकर जमकर तारीफकी थी।

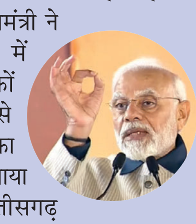

मिराज सिनेमा पर बीएसपी की बड़ी कार्रवाई, इंफ्रोर्समेंट यूनिट ने किया सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग के इंफोर्समेंट यूनिट द्वारा शनिवार सुबह सिविक सेंटर स्थित मिराज सिनेमा पर बड़ी कार्रवाई की है। बीएसपी इंपोर्समेंट यूनिट की टीम ने आज सुबह पहुंचकर मिराज सिनेमा को सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि मिराज सिनेमा प्रबंधन द्वारा बीएसपी को करोड़ों का भुगतान नहीं किया गया जिसके कारण यह कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहे।

मिली जानकारी के अनुसार मिराज सिनेमा प्रबंधन ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन का 6 करोड़ 92 लाख का भुगतान नहीं किया है। इसके अलावा अतिरिक्त लगभग 9 लाख रुपए का भुगतान भिलाई इस्पात संयंत्र को करना था। इस मामले को लेकर न्यायालय में भी प्रकरण विचाराधीन था। न्यायालय व बीएसपी के संपदा न्यायालय में भी मिराज सिनेमा प्रबंधन केस हार चुका है। इसी भुगतान को लेकर आज सुबह भारी पुलिस बल की उपस्थिति में इंफोर्समेंट विभाग ने मिराज सिनेमा परिसर के सभी यूनिट्स को सील कर दिया है। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स

पूरी दुनिया के लिए कैसे खतरा बन सकता है चीन का यह हथियार!

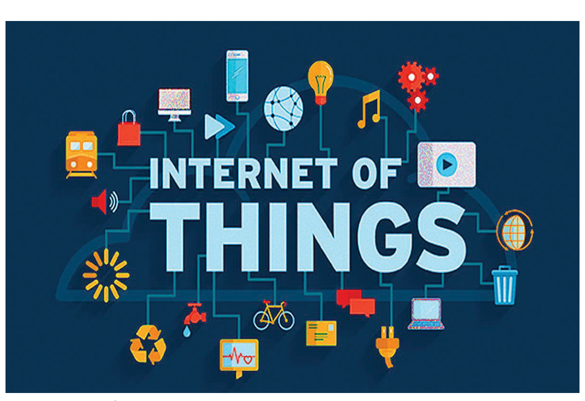

बीजिंग (एजेंसी)। चीन का इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आने वाले दिनों में पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। एक रिपोर्ट की मानें तो राष्ट्रीय सुरक्षा और अहम उद्योगों में चीन का यह हथियार स्मार्ट शहरों में जासूसी का जरिया भी बन सकता है। इतना ही नहीं इसका इस्तेमाल हैकरों और शरारती तत्वों द्वारा भी किया जा सकता है, जो कि चीन की इस तकनीक को दुनिया के लिए और बड़ा खतरा बना सकता है।

क्या है इंटरनेट ऑफ थिंग्स?

इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीक का वह विकास है, जिसमें कई गैजेट्स को नेटवर्किंग के माध्यम से एक साथ जोड़ा जाएगा। इंटरनेट ऑफ थिंग्स को IOT भी कहा जाता है। इसमें सभी गैजेट्स एक साथ जुड़कर एक दूसरे को डाटा का आदान प्रदान करते हैं, जिससे सभी उपकरणों के बीच इंटीग्रेशन आता है।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स के तहत दुनियाभर में ऐसे स्मार्ट शहर हो सकते हैं, जिनमें सभी डिवाइस एक दूसरे के साथ इंटरकनेक्ट रहेंगे। हालांकि, इसका गलत इस्तेमाल भी संभव है। मान लीजिए कि आप किसी खुफ्यिा लैब का दरवाजा और कैमरे बंद कर के चले गए। लेकिन इंटरनेट ऑफ थिंग्स के जरिए जुड़े रहने की वजह से लैब का आर्टिफिशियल ब्रेन इन दरवाजों और कैमरों पर नियंत्रण रख सकेगा। अब अगर यह आर्टिफिशियल ब्रेन किसी भी तरह से चीन के नेटवर्क से जुड़ा है, तो यह जासूसी का जरिया भी बन सकता है।

टॉय ट्रेन में सवारी

भिलाई। मैत्री बाग में फ्लावर शो को लेकर तैयारी तेज हो गई है। हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहें। वहीं आगंतुकों के लिए गार्डन प्रबंधन के द्वारा मिनी ट्रेन चालू किया गया है। जिसमें बैठकर पर्यटक गार्डन की सैर-सपाटे कर आनंद ले रहे हैं।

फोटो जर्नलिस्ट-गौकरण निषाद

पाकिस्तान में विकीपीडिया ब्लॉक, 48 घंटे की डेडलाइन के बाद उठाया कदम

ईशनिंदा का है मामला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में विकीपीडिया की साइट को बैन कर दिया गया है। दरअसल, पाकिस्तानी सरकार ने विकीपीडिया से कहा था कि वह अपनी वेबसाइट से ईशनिंदा से जुड़ा कंटेंट हटा ले। इसे लेकर पाकिस्तान में काफी हंगामा भी हुआ था, जिसके बाद शहबाज शरीफकी सरकार ने विकीपीडिया को कदम उठाने के लिए 48 घंटे का समय दिया था। हालांकि, विकीपीडिया ने पाकिस्तान की मांग को अनसुना कर दिया, जिसके बाद पूरे देश में इस वेबसाइट की सेवाओं को बैन कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तान के टेलीकॉम रेगुलेटर ने पूरे देश में विकीपीडिया की सेवाओं को 48 घंटे के लिए धीमा कर दिया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर विकीपीडिया ने ईशनिंदा से जुड़ी सामग्री नहीं हटाई, तो वह वेबसाइट को पूरी तरह ब्लॉक कर देगा। इस मामले में पाकिस्तान की हाईकोर्ट ने भी टेलीकॉम रेगुलेटरी को विकीपीडिया पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विकीपीडिया को इस मामले में अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस भी जारी किया गया था। हालांकि, न तो वेबसाइट ने नोटिस का कोई जवाब दिया और न ही ईशनिंदा से जुड़ा कंटेंट हटाया। टेलीकॉम अथॉरिटी के मुताबिक, विकीपीडिया के इस तरह के ईशनिंदा से जुड़े कंटेंट हटाने पर ही इसे पाकिस्तान में फिर से शुरू किया जाएगा।

पाकिस्तान के एक डिजिटल अधिकार कार्यकर्ता ओसामा खिलजी ने इस प्रतिबंध को असंवैधानिक और बकवास बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से छात्रों, शिक्षकों, रिसर्चर्स और समाज के अन्य वर्गों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

गौरतलब है कि इससे पहले 2012 में पाकिस्तान में सरकार ने यूट्यूब के 700 से ज्यादा लिंक्स को इस्लाम-विरोधी फिल्म के प्रदर्शन के मामले में बैन कर दिया था। इस फिल्म को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए थे। तब भी पाकिस्तान की कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए थे कि वह इस्लाम का असम्मान करने वाली सामग्री को प्रतिबंधित कर दे।

मछली मारने गए ग्रामीण पर बाघ ने हमला कर उतारा मौत के घाट, दहशत में लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेंद्रगढ़। मछली मारने नदी गए ग्रामीण पर बाघ ने हमला कर दिया। बाघ के हमले से ग्रामीण की मौत हो गई है। ग्रामीण पर बाघ के हमले की खबर लगते ही ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई है। फिलहाल वन विभाग अफसर कर्मी बाघ की मुवमेंट तलाश रहे हैं। साथ ही आसपास के गांव में लोगों को अलर्ट रहने कहा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मनेन्द्रगढ़ वन मंडल के अंतर्गत जनकपुर मार्ग पर कछौड़ गांव स्थित गूंडरु नदी में शुक्रवार शाम को युवक मछली मारने के लिए गया था। युवक के साथ एक और ग्रामीण भी गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान बाघ ने हमला कर दिया। बाघ के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई वहीं दूसरा बचकर भागकर गांव पहुंचा और गांववालों को जानकारी दी। रात होने के कारण ग्रामीण नदी की ओर नहीं गए।

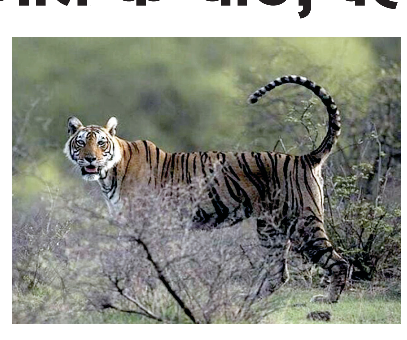

शनिवार की सुबह ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे और देखा कि बाघ अभी भी वहीं पर है। ग्रामीणों ने शोर मचाकर बाघ को भगाया। इसके बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। बाघ के हमले से युवक की शव क्षत विक्षत हो गया था। वन विभाग की टीम ने बाघ की तलाश के लिए सर्चिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया है और ग्रामीणों को नदी व जंगल के आसपास न आने की हिदायत भी दी गई है। घटना स्थल पर बाघ के पंजों के निशान भी मिले हैं। वन विभाग ने गांववालों को शाम पांच बजे के बाद घर से बाहर न निकलने की हिदायत भी दी है।

21वीं सदी में कितना बचा है हिन्दुत्व

श्रीकंचनपथ

हिन्दुत्व को परिभाषित करने की कोशिश हम नहीं करेंगे। इस शब्द को राजनीति में लाने वाले विनायक दामोदर सावरकर का मानना था कि जो भी राष्ट्र (देश), जाति (नस्ल) और संस्कृति से भारतीय होगा, वही हिन्दू होगा. अर्थात हिन्दुस्तान (भारत) से बाहर जन्म लेने वाले धर्म कभी यहां के नहीं हो सकते। हिन्दू महासभा के इस नेता का मानना था कि हिंदुत्व, हिन्दू धर्म से कहीं ज्यादा है और इस राजनीतिक दर्शन को केवल हिंदू आस्था तक सीमित नहीं किया जा सकता। ऐसा मानने का एक कारण यह भी था कि इस देश के मूल निवासियों की आस्था कभी एक सी रही ही नहीं। भिन्न-भिन्न प्रांतों में खान-पान, पहनावा, संस्कार, उपासना पद्धतियां और मान्यताएं भिन्न-भिन्न थीं। जहां तक देश या राष्ट्र का सवाल है, यहां के सभी मतांतरित, चाहे वह ईसाई हों या मुसलमान, सभी इसी देश में पैदा हुए हैं। आस्था बदलने से किसी की नस्ल नहीं बदल जाती। नस्ल एक वैज्ञानिक कसौटी है जो आस्था को किसी खातिर में नहीं लाता। बची संस्कृति, तो वह अवश्य खतरे में हैं। ग्लोबल इंडिया में सनातन संस्कृति का उत्सव तो हो सकता है पर लोगों की फितरत नहीं बदली जा सकती। खास दिनों पर केक काटकर डीजे की धुन पर नाचने वाली जमात से उस हिन्दुत्व की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, जो सावरकर के खयालों में थी। संघ की तमाम शाखाएं और वहां जाने वाले लोग भी केक कटिंग को नहीं रोक पाए हैं। आज खान-पान से लेकर पहरावे तक पर वैश्वीकरण की छाप है। विकास की अवधारणा भी पश्चिम पर टिकी हुई है। चौड़ी सड़कें, महंगी तेज रफ्तार कारें, बुलेट ट्रेन, फ्लाईओवर और आलीशान ड्राइंगरूम-बाथरूम वाले मकान एक नई संस्कृति को जन्म दे चुके हैं। और हम जानते हैं कि जिसका जन्म हो चुका है, उसे पलटा नहीं जा सकता। मूल सनातन में सोलह संस्कारों का वर्णन मिलता है. इनमें गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अन्त्येष्टि संस्कार। इनमें से कितने संस्कार आज जीवित हैं? नामकरण, अन्नप्राशन, मुंडन, विवाह और अंत्येष्टि संस्कारों का पालन प्राय: सभी करते हैं, हालांकि इनका स्वरूप बिगड़ चुका है। बहुत कम घरों में नामकरण राशि के आधार पर पंडित करते हैं। जातकर्म और उपनयन संस्कार कुछ ब्राह्मण परिवारों में आज भी होता है। बंगाल में विद्यारंभ संस्कार का चलन है। शेष संस्कारों के बारे में अधिकांश लोगों को कुछ नहीं पता। विवाह संस्कारों में आमूलचूल परिवर्तन हो चुका है। प्री वेडिंग फोटोशूट, विवाह से पहले रिसेप्शन नए दौर का दस्तूर है। लिव-इन भी जोर पकड़ रहा है। कर्णवेधन अब या तो होता ही नहीं या फिर इतना होता है कि छेद गिनते रह जाओगे। ऐसे में सवाल उठता है कि जब संस्कार, संस्कृति कोई मुद्दा नहीं रही, नस्ल और देश अप्रभावित है तो हम क्या तलाश रहे हैं? दरअसल, हम सत्ता तक पहुंचने का और वहां काबिज रहने का एक सुगम मार्ग मात्र तलाश रहे हैं।

संपादकीय

अडानी की चिंता

अडानी समूह से जुड़ा संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है और समय के साथ चिंता बढ़ती जा रही है। न्यूयॉर्क से लंदन तक निवेशक व वित्तीय संस्थाएं इस समूह में निवेश से अब बचने लगी हैं और सभी को यही इंतजार है कि किसी ठोस जवाब या उपाय के साथ इस आर्थिक संकट का समाधान होगा। चूंकि मामला एक ऐसे उद्यमी से जुड़ा है, जो दुनिया का दूसरा सबसे अमीर व्यक्ति बन गया था, इसलिए दुनिया भर में चिंता स्वाभाविक है। इस संकट से पहले कभी देश की किसी भी कंपनी को ऐसे जूझना नहीं पड़ा था। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के सामने आने के बाद से ही अडानी समूह पर स्टॉक में हेरफेर और खाते में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं, कंपनी को अपने बाजार मूल्य में 108 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा है। इस समूह की लगभग सारी कंपनियों को लगातार नुकसान झेलना पड़ रहा है। चूंकि हमारे यहां अर्थव्यवस्था भी राजनीति का विषय है, इसलिए विपक्षी राजनीतिक पार्टियां भी बहुत मुखर हैं। ज्यादातर विपक्षी पार्टियों ने यह तय कर लिया है कि संसद में इस मुद्दे पर सरकार को घेरना है। क्या सरकार विपक्ष को विश्वास में ले सकती है? वैसे सरकार का पक्ष यह है कि इससे उसका कोई लेना-देना नहीं है, और यह एक कंपनी का मामला है। हालांकि, भारतीय कॉरपोरेट की जो किरकिरी हो रही है, उसके प्रति सरकारी नियामक संस्थाओं को पूरी सजगता का परिचय देना चाहिए। अगर इस समूह को किसी द्वेष वश निशाना बनाया जा रहा है या अगर कोई भारतीय अमीर पश्चिमी देशों के ईर्ष्यालुओं को चुभ रहा है, तो सरकारी संस्थाओं को भी सजग होकर मुकाबला करना चाहिए। कारोबार की दुनिया में नियम-कायदों का लाभ लेने का सबको हक है, लेकिन अगर कोई अनियमितता हुई है, तो स्वयं सरकारी संस्थाओं को आगे आकर समाधान करना चाहिए। पहले भी पूंजीपतियों के खिलाफ साजिश हुई है, शेयर बाजार में अफवाह फैलाकर किसी की पूंजी कम करने की साजिश लगातार होती ही रहती है। अभी भी हम गौर करें, तो अडानी कोई अकेले नहीं हैं, जिनकी पूंजी कम हो रही है। अनेक कंपनियों के साथ-साथ बैंकों की भी पूंजी घट रही है। भारत की सबसे तेज उभरती कंपनी का अगर भाव घटा है, तो देश के सबसे बड़े बैंक का भी भाव प्रभावित हुआ है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से भारतीय स्टेट बैंक के शेयर 11 फीसदी टूट चुके हैं। जब बैंक को घाटा होगा, भारतीय जीवन बीमा निगम को नुकसान होगा, तो क्या आम लोग फायदे में रहेंगे? सरकारी वित्त नियामक संस्थाओं और भारतीय रिजर्व बैंक को पूरी सजगता के साथ बैंकों को बचाने की कोशिश करनी चाहिए। निशाने पर आई कंपनी को भी हर वैध मदद मिलनी चाहिए। उन अधिकारियों को अचानक से पल्ला झाड़कर खड़े नहीं हो जाना चाहिए, जो 24 जनवरी से पहले एक भारतीय अमीर को दुनिया का सबसे अमीर बनाने में लगे थे। वित्त की दुनिया में चालाकी गलत नहीं होती, लेकिन यह चालाकी तब अपराध सरीखी हो जाती है, जब किसी गरीब का नुकसान साबित हो जाता है। जब निशाने पर आई कंपनी ने आरोपों का खंडन किया है, तब उस पर सीधे अविश्वास करने के बजाय सही परख से काम लेना चाहिए। कोशिश करनी चाहिए कि यह भारतीय कंपनी भंवरजाल से जल्दी से जल्दी निकलकर देश के विकास में सहायक बने। विदेश में अगर पहले कहीं ऐसी स्थिति बनी है और तब कैसे विवाद सुलझा था, इससे भी सीखने में हर्ज नहीं है।

> “ अनेक कंपनियों के साथ-साथ बैंकों की भी पूंजी घट रही है। भारत की सबसे तेज उभरती कंपनी का अगर भाव घटा है, तो देश के सबसे बड़े बैंक का भी भाव प्रभावित हुआ है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से भारतीय स्टेट बैंक के शेयर 11 फीसदी टूट चुके हैं। जब बैंक को घाटा होगा, भारतीय जीवन बीमा निगम को नुकसान होगा, तो क्या आम लोग फायदे में रहेंगे?

रोष को काबू में रखें

केन्द्रीय शांति-समिति ने भारत के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे महात्मा गांधी की हत्या से उत्पन्न रोष को संयत करें और उनकी शिक्षाओं एवं उनके सिद्धांतों पर चलें। समिति ने उनसे यह अनुभव करने का अनुरोध किया है कि वर्तमान स्थिति नाजुक और गम्भीर है, इसलिए वे ऐसा कोई कार्य न करें जिससे देश की शांति भंग हो। अपील में कहा गया है- समिति अनुभव करती है कि इस अभूतपूर्व जघन्य हत्या से गम्भीर रोष उत्पन्न हुआ है, किंतु समिति का महात्मा जी के प्रति एक कर्तव्य है। देशवासियों को यह समझाना भी उसका कर्तव्य है कि यदि वे अपने रोष को हिंसा के रूप में प्रकट करेंगे, तो इससे लोगों के हितों की हानि होगी। अब हमारे राष्ट्रपिता हमें मार्ग दिखाने के लिए साथ नहीं हैं, इसलिए इस समय देश में लोगों को अपने संयुक्त प्रयत्नों से शांतिपूर्ण वातावरण कायम रखने की आवश्यकता पहिले से अधिक है। देश की आर्थिक स्थिति बुरी है। उत्पत्ति कम है। अपने घर-बार से उजाड़े हुये लाखों लोगों को बसाने का विशाल कार्य हमारे सामने है। हम देश में शांति रखे बिना कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं कर सकते। इस प्रकार देश में शांति रखने में ही लोगों की भलाई है। भारत एक जनतंत्री राज्य है। जनतंत्री राज्य में अधिकारों के साथ कर्तव्य भी होते हैं। दुनिया ऐसी है कि यदि हम अपना कर्तव्य न पालेंगे तो अधिकार खो देंगे। इसलिए देश में शांति रखने में अपना भाग देना प्रत्येक भारतीय का प्राथमिक कर्तव्य है। हमें कानून हाथ में न लेना चाहिये। हमें यह कार्य सरकार के लिए छोड़ देना चाहिये। बीस लाख की लूट- हैदराबाद, 3 फरवरी। लगभग 200 सशस्त्र आदमियों के एक दल ने हैदराबाद-मध्यप्रांत सीमा से 15 मील दूर नांदेड जिले में उम्पी स्थान पर छापा मारा और हैदराबाद राज्य के बैंक की स्थानीय शाखा को लूट लिया। वे बैंक से लगभग 20 लाख रुपये नकद उठा ले गये।

दाता की आतुरता

यह पूरी सृष्टि मनुष्य की परीक्षा के लिए रची गई थी। इस संसार में अपने व्यवहार द्वारा ही हम यह व्यक्त करते हैं कि हम ईश्वर को चाहते हैं या उनके उपहारों को। ईश्वर आपको यह नहीं कहेंगे कि आपको उन्हें पाने के लिए अन्य वस्तुओं की अपेक्षा अधिक इच्छा करनी चाहिए, क्योंकि वे चाहते हैं कि आपका प्रेम स्वेच्छापूर्वक, बिना 'अनुबोधन' के दिया जाए।

इस संसार के खेल का यही एकमात्र रहस्य है। जिन्होंने हमें जन्म दिया है, वहीं हमारा प्रेम पाने के लिए आतुर हैं! वह चाहते हैं कि हम अपना प्रेम बिना मांगे स्वत स्वेच्छापूर्वक दें। हमारा प्रेम ही एक ऐसी वस्तु है, जो ईश्वर के पास नहीं है, जब तक कि हम स्वयं उन्हें यह अर्पित न करें। अत आप देखते हैं कि भगवान को भी किसी वस्तु को प्राप्त करना है हमारा प्रेम। और जब तक हम अपना प्रेम उन्हें नहीं दे देते, हम कदापि सुखी नहीं हो सकते। जब तक हम निरंकुश बालक हैं, तथा बौनों की भांति इस पृथ्वी रूपी गेंद पर रेंगते हुए और उनके उपहारों के लिए चिल्लाते हुए दाता की अवहेलना करते रहते हैं, तब तक हम दुर्गति के अनेक गड्ढों में गिरते रहते हैं। ईश्वर, हमारे अस्तित्व का मूलभूत तत्व होने के नाते; उसकी उपस्थिति को अपने अंतर में प्रत्यक्ष अनुभव करना सीखे बिना वास्तव में हम स्वयं को व्यक्त नहीं कर सकते। यही सत्य है। क्योंकि हम दिव्य हैं, इसलिए हम किसी भौतिक वस्तु को पाकर पूर्णत संतुष्ट नहीं हो सकते। फ्रांसिस थॉम्सन ने द हाउंड ऑफ हैवन में लिखा है, 'यदि तू मेरी शरण में नहीं आएगा, तो तुझे कौन शरण देगा।' जब तक आप ईश्वर में संतुष्टि नहीं पा लेते, तब तक आप किसी अन्य वस्तु से संतुष्ट नहीं हो पाएंगे।

परमहंस योगानंद

> “ हिंदी फिल्मों के थियेटरों पर न चलने को लेकर जो आलोचना हो रही थी, पठान फिल्म की धुआंधार कामयाबी के बाद अब धुंध छंटती नजर आ रही है। फिल्म उद्योग को नया बल मिला है।

पठान ने कर दिया इशारा, अभी जिंदा हैं हिंदी फिल्में

जयंती रगंनाथन

पठान दहाड़ रहा है, 'मैं जिंदा हूं।' गा रहा है, झूमे जो पठान... दर्शक ताली बजा रहे हैं। अपनी सीट से उठकर नाच रहे हैं। सिनेमा हॉल, चाहे सिंगल स्क्रीन हो या मल्टीप्लेक्स, महानगर हो या कस्बा, देश हो या विदेश, हर कहीं माहौल बन गया है, जो सालों पहले दर्शकों को खींचकर थियेटर तक ले आता था। दर्शक तीन घंटे अपनी रोजमर्रा की थकान भूल नायक के रंग में रंगकर नाचता था, गाता था, उल्लास मनाता था। ऐसा वक्त हम सबने देख रखा है। अब इसे फिर से लौटते देखना सुखद है।

पठान फिल्म की कामयाबी ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। पिछले साल दक्षिण की फिल्में हिंदी फिल्मों पर इतनी भारी पड़ीं कि उन पर सवाल उठने लगे। बॉलीवुड में सितारों का जमाना गया। बड़े स्टार कास्ट की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरने लगीं और बड़े से बड़ा निर्माता भी ओटीटी की राह लेने लगा। इस वक्त पठान जैसी फिल्म का आना और सफलता के झंडे फहराना समूची फिल्म इंडस्ट्री के लिए राहत की बात है। महज नौ दिनों में पठान ने घरेलू बॉक्स ऑफिस से लगभग 370 करोड़ रुपये कमाए हैं और अगर इसमें वर्ल्डवाइड आंकड़े भी जोड़ लें, तो यह कमाई लगभग 500 करोड़ रुपये बैठ रही है। यह आंकड़ा बाहुबली 2 और केजीएफ (हिंदी डब्ड वर्जन) से कहीं आगे है। यह आंकड़ा आमिर खान की दंगल ने 13 दिन में हासिल किया था। सलमान खान की टाइगर जिंदा है ने 14 दिन में और रणबीर कपूर की संजू ने 16 दिन में हासिल किया था। यही नहीं, किसी भी फिल्म का पहले हफ्ते की कमाई का रिकॉर्ड भी पठान ने तोड़ दिया है। यह एक ऐसी फिल्म बन गई है, जिसकी नौवें दिन की कमाई आठवें दिन से अधिक है।

ट्रेड एनालिस्ट और फिल्म पंडित तरण आदर्श कहते हैं, 'बस एक शुक्रवार चाहिए, लोगों का नजरिया बदलने के लिए। मगर इस बार यह शुक्रवार न होकर बुधवार था। तमाम नकारात्मक प्रचार के बावजूद दर्शक थियेटर तक आए। यह हिंदी फिल्मों और सितारों की जीत है।

अब आते हैंपठान पर। यश राज फिल्म पिछले कुछ सालों से स्पाई फिल्मों में विशेषज्ञता बना रहा है। एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है और वार के बाद पठान इसी कड़ी में ताजा फिल्म है। शाहरुख अरसे बाद एक्शन हीरो के किरदार में दिखे हैं। इस फिल्म की पटकथा बेहद चतुराई से शाहरुख खान की जिंदगी की इबारत लिखती दिखती है। नायक व अन्य किरदारों के संवाद चुटीले और निशाने पर लगते हैं। जो दर्शक एक पैसा वसूल फिल्म देखना चाहते हैं, उनके लिए पठान में देश प्रेम से सराबोर और तालियां पीटने वाले संवाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक्शन और खूबसूरत विदेशी दृश्य हैं।

फिल्म की पटकथा में ऐसे कुछ बिंब हैं, जो अपनी जगह बनाते हैं। जैसे फिल्म में कई जगह पर किंत्सुगी का जिक्र आता है। यह जापानी कला है, जिसमें टूटी हुई पॉटरी को सोने से जोड़ने का काम किया जाता है। यह सवाल आना लाजिमी है कि पठान में ऐसा क्या टूटा है, जिसे जोड़ने की जरूरत पड़ गई? यहां भी संदर्भ शाहरुख खान और पठान का जो किरदार वह निभा रहे हैं, उसके अस्तित्व से जुड़ा है, जो हर बार टूटकर निखरता है।

पठान फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की आजमाई हुई सफल जोड़ी है। खलनायक बने हैं जॉर्ज अब्राहम। एक प्रमुख भूमिका में डिंपल कपाड़िया भी हैं। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद एक्शन फिल्में बनाने में माहिर हैं। इससे पहले उन्होंने वार बनाई थी।

खैर, यह वक्त पठानकी तारीफ और आलोचना से आगे का है। पौने तीन साल कोराना महामारी से जूझने के बाद जिंदगी पटरी पर लौटती दिख रही है। पहले हिंदी फिल्म उद्योग का चक्का लगभग जाम रहा। शुरू के एक साल फिल्में आई ही नहीं। इसके बाद जो आईं, उनका हश्र बुरा रहा। हालांकि, ओटीटी पर फिल्मों को काफी वाहवाही मिली। खबरों के मुताबिक, साल 2022 में बॉलीवुड के लगभग 2,040 करोड़ रुपये डूब गए। घाटा झेलने वाले आज भी डरे हुए हैं। जिन फिल्मों पर दांव लगा, सब बॉक्स ऑफिस पर धराशायी हो गईं। भूल भुलैया 2, दृश्यम 2, गंगूबाई, द कश्मीर फाइल्स और ब्रम्हास्त्र जैसी चंद फिल्में ही कमाई कर पाईं। हिंदी फिल्म उद्योग को वापस खड़ा करने के लिए एक जोरदार फिल्म की जरूरत थी, पठान ने वह काम कर दिया। यहां मुद्दा दक्षिण से हिसाब चुकता करने का नहीं है, बल्कि पूरे हिंदी फिल्म उद्योग को फिर हवा-पानी देने का है।

मीथेन नियंत्रण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

मुकुल व्यास

दुनिया में मीथेन गैस का लगातार बढ़ता हुआ उत्सर्जन चिंताजनक है क्योंकि यह एक ऐसी ग्रीनहाउस गैस है जिसकी वायुमंडल में उपस्थिति पृथ्वी के तापमान को प्रभावित करती है। मीथेन पृथ्वी के वातावरण में गर्मी को रोकती है। दिन के दौरान सूर्य वायुमंडल के माध्यम से चमकता है और ग्रह की सतह को गर्म करता है, जबकि रात में सतह से ठंडी हो जाती है और हवा में गर्मी वापस छोड़ देती है। बहरहाल, ग्रीनहाउस गैसें इस गर्म हवा में से कुछ को वायुमंडल में रोक सकती हैं जिसके परिणामस्वरूप ग्रह गर्म हो जाता है। मनुष्यों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग का लगभग एक-चौथाई से एक-तिहाई का स्रोत मीथेन है। वायुमंडल में गर्मी को रोकने में मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 80 गुणा अधिक शक्तिशाली है।

कार्बन डाइऑक्साइड सदियों तक हवा में बनी रहती है लेकिन मीथेन का वायुमंडलीय जीवनकाल लगभग एक या दो दशक का ही होता है। इसका मतलब यह है कि मीथेन उत्सर्जन में कमी लाकर वायुमंडलीय वार्मिंग को धीमा किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का कारगर तरीके से मुकाबला करने के लिए इस गैस के स्रोतों का अंदाज लगाना जरूरी है। कार्बन मैपर नामक एक गैर-लाभकारी संगठन ने मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों का पता लगाने के लिए अपशिष्ट स्थलों के सर्वेक्षण करने की योजना बनाई है। इसके लिए वह नासा के एमिट (अर्थ सरफेस मिनरल डस्ट सोर्स इन्वेस्टिगेशन) मिशन के साथ-साथ वर्तमान हवाई उपकरणों के डेटा का उपयोग करेगा। भविष्य में छोड़े जाने वाले उपग्रहों के उपकरणों से भी आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। नासा के एमिट उपकरण और अन्य वैज्ञानिक उपकरण अपशिष्ट स्थलों से मीथेन के उत्सर्जन के वैश्विक सर्वेक्षण का हिस्सा होंगे।

ध्यान रहे कि एमिट उपकरण ने दुनिया भर में 50 से अधिक 'सुपर- एमिटर' क्षेत्रों की पहचान की है जो अभूतपूर्व स्तर पर मीथेन छोड़ रहे हैं। शीर्ष दोषियों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, न्यू मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। मीथेन सुपर-एमिटर के उदाहरणों में तुर्कमेनिस्तान के बंदरगाह शहर हजार के निकट स्थित तेल और गैस प्रतिष्ठान से मीथेन के 12 गुबारों का समूह शामिल है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये गुबार सामूहिक रूप से 50,400 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से मीथेन उगलते हैं। एक और अन्य बड़ा उत्सर्जक न्यू मैक्सिको में पर्मियन घाटी तेल क्षेत्र है जो दुनिया के सबसे बड़े तेल क्षेत्रों में से एक है। इसने लगभग 3.3 किमी लंबा गुबार उत्पन्न किया। नासा के अनुसार मीथेन का तीसरा बड़ा अपराधी तेहरान के दक्षिण में एक अपशिष्ट-प्रसंस्करण परिसर है जो कम से कम तीन 4.8 किलोमीटर लंबा गुबार उत्सर्जित करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पर्मियन साइट पर मीथेन की प्रवाह दर लगभग 18,300 किलोग्राम प्रति घंटे और ईरान साइट पर 8,500 किलोग्राम प्रति घंटे है। नासा के अधिकारियों ने कहा कि इनमें से किसी भी स्थल के बारे में वैज्ञानिकों को पहले से जानकारी नहीं थी।

कार्बन मैपर की नई पहल का उद्देश्य मीथेन का उच्च दरों पर उत्सर्जन करने वाले अपशिष्ट स्थलों का मूल्यांकन करना है। यह जानकारी निर्णय लेने वाले निकायों और अधिकारियों की मदद कर सकती है जो वायुमंडल में गैस की मात्रा को कम करने और जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए प्रयत्नशील हैं। अपशिष्ट क्षेत्र द्वारा उत्पादित मीथेन मानव निर्मित मीथेन उत्सर्जन में अनुमानित 20 प्रतिशत योगदान देती है। इस समय दुनिया के अपशिष्ट क्षेत्र से मीथेन उत्सर्जन के बारे में कार्रवाई योग्य जानकारी बहुत सीमित है। अपशिष्ट स्थलों से उच्च-उत्सर्जन स्रोतों की व्यापक समझ गैस के स्रोतों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई तकनीकी क्षमताओं से इन उत्सर्जनों को देखना और इन्हें कार्रवाई योग्य बनाना संभव हो गया है। कार्बन मैपर की परियोजना के तहत इस वर्ष अमेरिका और कनाडा के अलावा लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के 1000 से अधिक लैंडफिल का एक प्रारंभिक रिमोट-सेंसिंग सर्वेक्षण किया जाएगा । इन क्षेत्रों से डेटा एकत्र करने के लिए शोधकर्ता विमान-आधारित सेंसर का उपयोग करेंगे। इनमें नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला (जेपीएल) में विकसित विशेष इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर शामिल है। इसके अलावा वे एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एयरबोर्न ऑब्जर्वेटरी का उपयोग करेंगे। कार्बन मैपर प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में शोधकर्ता एमिट से प्राप्त मीथेन डेटा का भी विश्लेषण करेंगे। पृथ्वी के प्रमुख धूल उत्पादक क्षेत्रों की सतह पर खनिज सामग्री को मापने के उद्देश्य से जुलाई, 2022 में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर स्थापित किया गया था। एमिट स्पेक्ट्रोमीटर पृथ्वी से परावर्तित सौर ऊर्जा को मापता है। इसका मुख्य उद्देश्य हवा में मौजूद धूल और जलवायु परिवर्तन पर उसके प्रभावों का अध्ययन करना है। लेकिन नासा के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि यह उपकरण उन क्षेत्रों का भी पता लगा सकता है जहां बड़ी मात्रा में मीथेन गैस का उत्पादन हो रहा है। नए खोजे गए मीथेन हॉटस्पॉट्स में तेल और गैस के बड़े-बड़े प्रतिष्ठान और बड़े लैंडफिल शामिल हैं।

नासा के एक रिसर्च टेक्नोलॉजिस्ट एंड्रू थोर्प का कहना है कि एमिट द्वारा अंतरिक्ष से देखे गए मीथेन के कुछ गुबार बहुत बड़े हैं। ऐसे गुबार पहले कभी नहीं देखे गए। नासा का कहना है कि एमिट अपने साल भर के मिशन के समाप्त होने से पहले सैकड़ों अज्ञात मीथेन सुपर-एमिटर ढूंढ़ सकता है। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा, मीथेन उत्सर्जन में कमी ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए महत्वपूर्ण है। नासा की मुख्य वैज्ञानिक और वरिष्ठ जलवायु सलाहकार केट केल्विन ने कहा, हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि एमिट के खनिज डेटा जलवायु मॉडलिंग में कैसे सुधार करेंगे। यह अतिरिक्त मीथेन-डिटेक्टिंग क्षमता जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली ग्रीनहाउस गैसों को मापने और निगरानी करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करती है। कार्बन मैपर परियोजना के पहले वर्ष के बाद शोधकर्ता कार्बन मैपर उपग्रह कार्यक्रम में दो उपग्रहों का उपयोग करके दुनिया भर में 10,000 से अधिक लैंडफिल का व्यापक सर्वेक्षण करेंगे। ये उपग्रह जेपीएल में विकसित इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर टेक्नोलॉजी से लैस होंगे। परियोजना से डेटा कार्बन मैपर डेटा पोर्टल पर उपलब्ध होगा।

स्वच्छ भविष्य की ओर

आर.के. सिंह, केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की, जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक प्रमुख अंतर-सरकारी मंच है। भारत की अध्यक्षता आशाओं, सपनों और आकांक्षाओं को रेखांकित करती है, विशेष रूप से ऐसे समय में, जब दुनिया कोविड के बाद धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में वापस आ रही है, लेकिन वैश्विक मंदी का खतरा भी मंडरा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां कभी इतनी गंभीर नहीं रही हैं। दुनिया इन सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों में से कुछ के समाधान के लिए तत्काल उपाय चाहती है।

भारत की अध्यक्षता का उद्देश्य सभी के स्थायी भविष्य के लिए वैश्विक सहयोग के नए क्षेत्रों में प्रवेश करना है तथा पूर्व अध्यक्षों के कार्यकाल के दौरान हुए प्रयासों और परिणामों के आधार पर आगे बढ़ना है। भारत की अध्यक्षता की थीम- 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' या 'वसुधैव कुटुम्बकम' के अनुरूप, हम अपनी 'एक पृथ्वी' को पर्यावरण-अनुकूल बनाने, 'एक परिवार' के भीतर सद्भाव पैदा करने और 'एक भविष्य' के प्रति आशान्वित होने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इस तथ्य के बावजूद कि यह दुनिया की लगभग 17 प्रतिशत आबादी का समर्थन करता है, हमने विकास के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के क्षेत्र में काफी अच्छा काम किया है। भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.4 टी-कार्बन डाइऑक्साइड-ई (टन कार्बन डाइऑक्साइड के समतुल्य) 2020 में 6.3 टी-कार्बन डाइऑक्साइड-ई के वैश्विक औसत से काफी कम है (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा जारी 'एमिशन गैप रिपोर्ट 2022: द क्लोजिंग विंडो के अनुसार)। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई), 2022 में, हमें 5 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में स्थान दिया गया है।

भारत निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था को अपनाने के क्षेत्र में भी विश्व का नेतृत्व कर रहा है। हमने गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता वृद्धि के सन्दर्भ में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित प्रतिबद्धताओं (एनडीसी) को 2030 के लक्षित वर्ष से बहुत पहले ही हासिल कर लिया है और इसके बाद से अपने लक्ष्यों को अद्यतन भी किया है। अद्यतन किए गए एनडीसी के अनुसार, भारत अब 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 2030 तक 45 प्रतिशत तक कम करने के साथ 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से संचयी विद्युत ऊर्जा स्थापित क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत हासिल करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

युवा आबादी, बढ़ते शहरीकरण, डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर अनुकूलन, स्टार्ट-अप की बढ़ती संख्या के साथ भारत का प्राथमिक उद्देश्य, स्थायी तरीके से सस्ती बिजली तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करने का रहा है। देश ने हाल के दिनों में स्थितियों को बदलने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कुछ साल पहले तक बिजली की कमी का सामना करने वाली स्थिति से अब हम एक बिजली अधिशेष राष्ट्र हैं। हमने एक एकीकृत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया है, वितरण नेटवर्क को मजबूत किया है, हम नवीकरणीय ऊर्जा में एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभरे हैं और हमने सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण हासिल किया है।

भारत का ऊर्जा मिश्रण काफी विविध है। बिजली उत्पादन, विभिन्न स्रोतों के माध्यम से होता है, जिसमें कोयला, लिग्नाइट, प्राकृतिक गैस, तेल, जल और परमाणु से लेकर सौर, पवन और बायोमास जैसे अक्षय स्रोत शामिल हैं। सरकार नई तकनीक और नवाचार के माध्यम से स्वच्छ बिजली का उत्पादन करने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाने की दिशा में पूरा ध्यान दे रही है। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जो 2026 तक नई क्षमता वृद्धि के साथ दोगुनी हो जायेगी। भारत के ऊर्जा मिश्रण में सौर और पवन ऊर्जा का हिस्सा अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। देश आधुनिक जैव-ऊर्जा के लिए दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में कार्बनीकरण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और देश का लक्ष्य हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में उभरना है।

भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता वाले देश के रूप में उभरा है। इसने देश को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए सबसे आकर्षक निवेश का केंद्र भी बना दिया है।

ये प्रयास भारत को अपनी जरूरतों को पूरा करने में मदद कर रहे हैं और दुनिया भर में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने के वैश्विक प्रयासों में भी योगदान दे रहे हैं। अब चुनौती, ऊर्जा को किफायती बनाने की है, वस्तुओं की बढ़ती कीमतें और कठिन बाजार स्थितियां ऊर्जा सुरक्षा के जोखिमों को बढ़ा रही हैं।

हालांकि नीतिगत उपायों और शमन पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, ठोस/मापने योग्य परिवर्तन लाने के लिए व्यक्तियों और समुदायों पर ध्यान देना भी जरूरी है। भारत ने स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना या इसे त्याग दें (गिव इट अप) अभियान जैसी पहलों में बड़े पैमाने पर सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से विकास और सामाजिक व व्यवहारिक परिवर्तनों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण सफलताओं का प्रदर्शन किया है।

भारत ग्लासगो, 2021 के कॉप 26 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई वैश्विक पहल-लाइफ या पर्यावरण के लिए जीवनशैली- को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए लाइफ लोगों व समुदायों का आह्वान करता है कि 'नासमझ और विनाशकारी खपत' के बजाय 'सचेत और सोच-समझकर उपयोग' के लिए वे इसे अंतर्राष्ट्रीय जन आन्दोलन का स्वरूप प्रदान करें। लाइफ प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत और सामूहिक कर्तव्य का उत्तरदायित्व देता है कि वे ऐसी जीवनशैली को अपनाएं, जो पृथ्वी के अनुकूल हो और इसे नुकसान न पहुंचाए। 1.4 बिलियन से अधिक लोगों के साथ एक बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत की जलवायु अनुकूलन और शमन महत्वाकांक्षाएं न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी पृथ्वी के लिए परिवर्तनकारी हैं। नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए, बदलाव के दौर में भारत की प्रभावशाली प्रगति दर्शाती है कि कोई भी देश अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने संसाधनों के उपयोग के बारे में उचित विकल्प चुनकर सफल हो सकता है। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य का निर्माण करने के क्रम में, भारत की जी-20 अध्यक्षता सदस्य देशों के बीच ट्रस्टीशिप की भावना के साथ साझा, सहयोग और निर्माण का मार्ग अपनायेगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

आदि संस्कृति को संरक्षित करने प्रदेश सरकार भरपूर प्रयास कर रही : भूपेश बघेल

कांकेर का मेडिकल कॉलेज अब पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम से जाना जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर जिले के तहसील मुख्यालय भानुप्रतापपुर में गोंडवाना समाज के पेन करसाड मांदरी एवं एक दिवसीय वार्षिक सम्मेलन में शिरकत की, जहां पर उन्होंने कांकेर के मेडिकल कॉलेज का नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम पर करने की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 14 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत के 146 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 09 करोड़ 55 लाख रुपए के 94 कार्यों का लोकार्पण और 04 करोड़ 76 लाख रुपए के 52 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भानुप्रतापपुर में खेल मैदान का नामकरण पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय श्री मनोज मंडावी के नाम पर करने की भी घोषणा की। उसके साथ ही चालकी मांझी के लिए 10-10 हज़ार रूपये की घोषणा, भानुप्रतापपुर में स्ट्रीट लाइट, शेड निर्माण, अहाता निर्माण हेतु 10-10 लाख रूपये की घोषणा और भानुप्रतापपुर के जीर्ण-शीर्ण स्कूलों का जीर्णोद्धार करने का प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित करने के निर्देश कांकेर कलेक्टर को दिए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भानुप्रतापपुर के गोंडवाना भवन में आयोजित सम्मेलन में गोंडवाना समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले दुनिया में आदि संस्कृति का प्रादुर्भाव हुआ। आदिवासी संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने का प्रयास प्रदेश सरकार लगातार कर रही है। 2019 से जिले में अब तक 518 देवगुड़ी का निर्माण 17 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत से कराया। इसी तरह 173 घोटूल 19 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से बनवाए। श्री बघेल ने कहा कि सेवा का मतलब मानव समाज, संस्कृति और प्रकृति की सेवा करना है राज्य सरकार द्वारा आदिवासी संस्कृति को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की सभी आदिवासी बोलियों को लिपिबद्ध करने, लोकनृत्य, लोकगीत और पारंपरिक खेल को संरक्षित करने, सहेजने का भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सबसे बड़ा मिलेट का प्लांट कांकेर जिले के नथिया नवागांव में जो हाल में ही प्रारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे भी आधुनिक शिक्षा से जुड़े, इसके लिए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना लागू की गई है। कांकेर जिले के किसानों ने पहली बार ऐतिहासिक 40 लाख क्विंटल धान बेचा। प्रदेश में पहले गोबर से घर लीपने का काम होता था, अब घरों की दीवारों को गोबर निर्मित प्राकृतिक पेंट से पोताई किया जाएगा। बस्तर में बंद पड़े स्कूलों को खोला गया, इसके लिए स्कूलों का जीर्णोद्धार करने एक हज़ार करोड़ का बजट प्रावधान राज्य शासन द्वारा किया गया है।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस : देर होने से पहले आर्द्रभूमि को बचाने के बारे में सोचना शुरू करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पारिस्थितिकी तंत्र की बेहतरी और जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से बचाव के लिए आर्द्रभूमि (वेटलैण्ड) के संरक्षण और लोगों में इसके प्रति जागरूकता की महती आवश्यकता है। इसे देखते हुए 02 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के महासमुंद वन प्रभाग ने ग्रीन क्लब और कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर के सहयोग से वन चेतना केन्द्र, कोडर बांध, पटवा, महासमुंद में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्व विद्यालय और स्कूली छात्रों ने सफाई अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश लोगों को दिया। उन्होंने लगभग 285 किलोग्राम कचरा एकत्र कर उचित निपटान के लिए नगर पालिका में जमा किया। उल्लेखनीय है कि आर्द्रभूमि के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 02 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है।

आर्द्रभूमि में झीलों, दलदलों, मैंग्रोव, नमक पैन, ज्वारीय फ्लैट और जलाशयों जैसे प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों स्थल शामिल हैं। इस वर्ष के विश्व आर्द्रभूमि दिवस का विषय 'आर्द्रभूमि बहाली' है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आर्द्रभूमि ठीक से काम कर सके और पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखा जा सके। वेटलैण्ड (आर्द्रभूमि) को पारिस्थितिकीय तथा स्वस्थ्य पर्यावरण के लिए बहुत उपयुक्त माना जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर वेटलैण्डों के विकास के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में कुल 35 हजार 534 वेटलैण्ड हैं। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में इन वेटलैण्डों में आने वाले प्रवासी, स्थानीय पक्षियों के रहवास विकास को देखते हुए छत्तीसगढ़ के 27 वेटलैण्ड में सर्वे कराया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और विशिष्ट अतिथि कलिंग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने छात्रों को स्वस्थ भविष्य के लिए जल निकायों के महत्व के बारे में बताया और उन्हें संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

खास खबर

यादव समाज के युवक युवती परिचय सम्मेलन का 31 वां आयोजन कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ यादव समाज द्वारा 31वां युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 5 फरवरी को दोपहर 2 बजे शहीद स्मारक भवन में आयोजित किया जा रहा है। उक्त परिचय सम्मेलन में 1200 युवक युवती शामिल होंगे। उक्त जानकारी प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर यादव बंधवापारा पुरानी बस्ती रायपुर एवं संरक्षक जगदीश यादव ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में सुधीर ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे एवं द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि रायपुर के सांसद सुनील सोनी होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर रायपुर ग्रामीण के विधायक सत्यनारायण शर्मा, पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा विधायक उत्तर, पंकज शर्मा अध्यक्ष जिला सहकारी केद्रीय बैंक एवं एजाज ढेबर महापौर शामिल होंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता सुधीर यादव एवं जगदीश प्रसाद यादव करेंगे।

आवेदनों का त्वरित निराकरण करने का कलेक्टर ने दिया आदेश

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देश पर आज ग्राम पंचायत नारधा में क्षेत्रवासियों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 148 आवेदन विभिन्न विभागों को प्राप्त हुए, जिसमें 26 लंबित और 122 आवेदन निराकृत हुए। प्राप्त आवेदनों में जनपद पंचायत धमधा द्वारा सभी 84 आवेदनों पर निराकरण शिविर स्थल पर ही सफलता पूर्वक किया गया। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग में 10 आवेदन आए थे जिसमें सभी का निराकरण के साथ-साथ शिविर स्थल में श्रीमति पूर्णिमा वर्मा को समाज कल्याण द्वारा कलेक्टर की उपस्थिति में व्हील चेयर प्रदान किया गया।

अध्ययन दल में आये भारतीय वन सेवा के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात में कहा

छत्तीसगढ़ की नरवा विकास योजना देश के अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल और वन संवर्धन की दिशा में सरकार द्वारा चलाये जा रहे नरवा विकास योजना और लघु वनोपज के संग्रहण का कार्य बखूबी किया जा रहा है । छत्तीसगढ़ की ये योजना देश के अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय है । उक्त बातें छत्तीसगढ़ के अध्ययन भ्रमण में पहुंचे भारतीय वन सेवा के 2014-15 बैच के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से मुलाकात के दौरान कहीं । भ्रमण दल में देश के 15 राज्यों से भारतीय वन सेवा के 32 अधिकारियों ने शुक्रवार की शाम मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से दो दिवसीय भ्रमण के बाद अपने अनुभव साझा किये ।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ वनों के मामले में समृद्ध राज्य है । यहां वनों के साथ-साथ वनों पर आश्रित आदिवासियों-वनवासियों के विकास के लिये नवाचार का प्रयोग करते हुये कई योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है । इसी तारतम्य में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नरवा विकास योजना की सराहना देश के अन्य राज्यों में भी होने लगी है । यह योजना वनांचल में भू-जल संरक्षण के साथ-साथ लोगों की आजीविका और आय संवर्धन में महत्वपूर्ण साबित हो रही है ।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि जंगलों के संवर्धन और संरक्षण के लिये जरूरी है कि हम इमारती लकड़ी ही नहीं बल्कि वर्तमान दौर में फलदार वृक्षों के रोपण को भी अधिक से अधिक बढ़ावा दें । इससे वनवासियों का आजीविका संवर्धन तो होगा ही साथ ही साथ वन्य प्राणियों के भोजन और रहवास की सुविधा भी उपलब्ध होगी । उन्होंने राज्य में वनों के विकास के क्रम में संचालित नरवा विकास योजना का विशेष रूप से जिक्र किया । उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में नवाचार का प्रयोग करते हुये भू-जल संरक्षण के लिये नरवा विकास योजना को लागू कर इसका बेहतर ढंग से क्रियान्वयन जारी है । इसके तहत 8 हजार नरवा को पुनर्रजीवित करने के लिये वृहद स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं । इनमें से अब तक वनांचल के 6 हजार 395 नरवा को पुनर्जीवित तथा जीर्णोद्धार किया जा चुका है । इनके क्रियान्वयन से राज्य में लगभग 23 लाख हेक्टेयर रकबा को भू-उपचार का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बताया कि राज्य में नरवा विकास योजनांतर्गत वन क्षेत्रों में कराये जा रहे भू-जल संरक्षण कार्य से अनेक लाभ प्राप्त हो रहे हैं । इनमें वनों में मिट्टी के कटाव में कमी आयी है । वन क्षेत्रों में भू-जल स्तर में बढ़ोतरी से वनों के पुनरोत्पादन क्षमता में वृद्धि दर्ज हो रही है साथ ही साथ वन्य प्राणियों के लिये वर्ष भर पर्याप्त मात्रा में पेयजल की सुविधा हुई है । उन्होंने बताया कि इसके अलावा वन क्षेत्रों में रोजगार के भी बेहतर प्रबंध सुनिश्चित हुये हैं । नालों के आस-पास कृषि भूमि की सिंचाई क्षमता में वृद्धि हो रही है ।

भारतीय वन सेवा के अधिकारियों ने साझा किए अनुभव

गुजरात के अग्निश्वर ब्यास ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आए हैं। उन्होंने कहा - हमारी टीम ने छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में स्थित नरवा विकास योजना के तहत पंपार नाला का भ्रमण किया तथा नरवा पुनर्जीवन का कार्य देखा। उन्होंने राज्य में संचालित योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना का क्रियान्वयन जीआईएस पद्धति से डी.पी.आर. तैयार कर क्रियान्वित किया गया है। इसी तरह ओडिशा की सुश्री पूर्णिमा पी. ने बताया कि पंपार नाला में स्थित विभिन्न संरचनाओं, एनआरएम इंजीनियर द्वारा जीआईएस पद्धति का उपयोग कर विभिन्न संरचनाओं का स्थल चयन अत्यंत सटीक था एवं गुणवत्ता उत्तम है। उन्होंने कहा कि जिसके कारण परिणाम दो वर्ष में ही दिखने लगा है। वन क्षेत्र में पुनरोत्पादन में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। हिमाचल प्रदेश की श्रीमती सुविना ठाकुर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज संग्रहण, प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य देखा गया।

रीपा से ग्रामीण उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा - कलेक्टर

गोबर पेंट यूनिट के लिए गोठान चयन कर कार्यों में लाए तेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में रीपा गौठान, लाईवलीहुड, उद्योग एवं संबंधित जिला स्तरीय विभागों की संयुक्त बैठक ली। कलेक्टर सिन्हा ने कहा की शासन द्वारा गोठानों को रीपा के तहत विकसित करने का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा ग्रामीणों के स्थायी आय संवर्धन दिशा में कार्य करना है।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिन्हा ने विकासखंडवार चयनित रीपा गोठानों की समीक्षा की। उन्होंने सभी जनपद सीईओ एवं नोडल अधिकारियों से रीपा के तहत चयनित गतिविधियों, समूह, आवश्यक सामग्री एवं अधोसंरचना के कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा ने बताया कि जिले में रीपा के तहत 14 गोठानों का चयन किया गया है। जिसमें विभिन्न आय मूलक पारंपरिक एवं व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जायेगी। उन्होंने बताया कि जिले के उद्योगों द्वारा गोठानों के आधारभूत संरचना और सुविधाओं के विकास के लिए सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में उद्योगों द्वारा रीपा गोठानों के लिए बेहतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है, वे लाइवलीहुड में भी सहयोग प्रदान करें, ताकि कार्यों को और बेहतर रूप संचालित किया जा सके।

कलेक्टर सिन्हा ने कहा की रीपा में ऐसी गतिविधियों को प्राथमिकता प्रदान की जाए, जिससे समूह, संबंधित व्यक्तियों को बेहतर लाभ प्रदान हो और कार्य संचालन स्थायी रहे। उत्पाद के लिए बाजार का विश्लेषण कर जिन उत्पाद को बड़ी मात्रा में उत्पादन कर बाजार में बिक्री कर लाभ प्राप्त किया जा सके, उन उत्पादों और गतिविधियों पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में किसान बिना किसी डर के कर सकेंगे फसलों की देख-रेख

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सूरजपूर जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के किसान खेती-किसानी और फसल की देखरेख बिना किसी डर के आसानी से कर सकेंगे इसके अलावा उन्हें हाथी आने पर सुरक्षित स्थानों में पहुंचने में मद्द मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर इस क्षेत्र के हाथी प्रभावित गांवो में 33 नग सोलर हाईमास्ट लाइट लगाए गए हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर के ग्रामवासियो ने मुख्यमंत्री से हाथी प्रभावित क्षेत्रों में सोलर हाईमास्ट लाईट लगाने की मांग की थी। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में अंधेरा होने के कारण हाथी आने पर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान में शरण लेने के लिए अन्य स्थान आने-जाने में असुविधा का समाना करना पड़ता था। सोलर हाईमास्ट लाईट लगने से उन्हें सुरक्षित स्थान पर आने-जाने में मद्द मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर मौके पर ही सोलर हाईमास्ट लाईट लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा पर जिला प्रशासन, वन विभाग और क्रेडा के अधिकारियों ने फौरी अमल करते हुए हाथी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और सोलर हाईमास्ट लगाने के लिए उपयुक्त स्थल का चयन किया। क्रेडा द्वारा चयनित स्थल पर 33 नग सोलर हाईमास्ट लाईट लगाए जा चुके हैं। हाथी प्रभावित गांवो में सोलर हाईमास्ट लाईट लगने से ग्रामीण प्रसन्न हैं। गांव से लगे आस-पास के वनों के पास अब प्रकाश की व्यवस्था हो गई है। इससे हाथी आने की जानकारी उन्हें पहले से मिल सकेगी। साथ ही शाम को खेतों से लौटते वक्त अंधेरे का सामना नहीं करना पड़ेगा। अब वे फसल की देखभाल बिना किसी डर के कर सकेंगे इसके अलावा उन्हें सुरक्षित ठिकाने जाने में आसानी होगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ 10 को

कोरबा। शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस वर्ष में हर छः माह के अंतराल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में 10 फरवरी 2023 को राज्य के आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय अनुदान प्राप्त शालाओं, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, मदरसा, निजी स्कूलों, अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों के माध्यम से 1 से 19 वर्षीय बच्चों को कृमिनाशक दवा एलबेंडाजॉल की गोली खिलायी जावेगी। छुटे हुए बच्चों को 15 फरवरी 2023 मॉप-अप दिवस को दवा सेवन कराया जावेगा। जिससे कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर, एनीमिया की रोकथाम से बौद्धिक विकास तथा शाला में उपस्थिति में सुधार हो सके।

खास खबर...

पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड 'छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग' के अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा पूर्व मुख्य सचिव और रेरा के पूर्व चेयरमैन विवेक ढांड को 'छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग' का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आज यहां महानदी भवन, नवा रायपुर से इस आशय का आदेश जारी कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किए जाने वाले प्रशासनिक नवाचारों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर राज्य सरकार की सुझाव देने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग' का गठन किया गया है।

रायपुर के क्षेत्रीय कैंसर संस्थान में हजारों मरीजों का सफल इलाज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय में स्थित क्षेत्रीय कैंसर संस्थान ने पिछले 21 वर्षों में हजारों मरीजों को नई जिंदगी दी है। यहां विभिन्न तरह के कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधा के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम है। कोरोना काल में भी क्षेत्रीय कैंसर संस्थान ने मरीजों की लगातार सेवा की। यहां उच्चतम तकनीक की दो लीनियर एक्सीलेटर मशीन, ब्रेकीथेरेपी मशीन, सीटी स्कैन मशीन तथा कोबाल्ट मशीन उपलब्ध है। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर संस्थान द्वारा 30 जनवरी से 3 फरवरी तक रायपुर के साथ-साथ महासमुंद, राजनांदगांव एवं कांकेर के शासकीय मेडिकल कॉलेज में कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया जिनसे सैकड़ों मरीज लाभान्वित हुए।

पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय द्वारा 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस पर लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने मैराथन प्रतियोगिता 'कैनेथान-2023' का आयोजन किया जा रहा है। रायपुर के तेलीबांधा तालाब से चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में स्थित क्षेत्रीय कैंसर संस्थान तक प्रात: साढ़े छह बजे से आयोजित मैराथन में चिकित्सा महाविद्यालय और संबद्ध अस्पताल के छात्र, अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे।

पुरानी पेंशन योजना की बहाली ऐतिहासिक निर्णयः अमरजीत भगत

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के नववर्ष मिलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि एक साथ मिलकर राज्य की प्रगति के लिए जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे, तभी गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का सपना साकार होगा। मंत्री श्री भगत नया रायपुर इंद्रावती भवन स्थित विभागाध्यक्ष कार्यालय परिसर में राजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित नववर्ष मिलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में मंत्री श्री भगत ने नवा रायपुर प्रीमियम लीग टुर्नामेंट प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री श्री भगत ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी हर दिन शासकीय काम-काज में लगे रहते हैं। इससे उनका मन कई बार उब सा जात है, काम के साथ-साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे उनमें नई ऊर्जा का संचार हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन छुट्टी देकर उनमें नई ऊर्जा और उत्साह के साथ काम करने के लिए अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारी-कर्मचारी के बुढ़ापे और उनके परिवार को सुरक्षा देने के उद्देश्य से पुरानी पेंशन योजना पुन: शुरू किया। यह कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय है।

खाद्यमंत्री श्री भगत ने कोविड-19 काल में जब लोग कोरोना महामारी से जीवन बचाने की जद्दोजहद में थे, तब राज्य सरकार की सहयोग से अधिकारी-कर्मचारी अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों को बचाने में लगे थे। श्री भगत ने कहा कि हिन्दुस्तान में ऐसे कई राज्य हैं जिन्होंने कोरोना काल में अपने कर्मचारियों का वेतन काटने का काम किया लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए वेतन में कोई कटौती नहीं की। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मुख्यमंत्री यूनिवर्सल पीडीएस के तहत लोगों को नि:शुल्क तथा सस्ते दामों में राशन वितरण का राज्य के लोगों का पेट भरने का काम किया। उन्होंने कहा कि पहले अनेक प्रकार का राशन कार्ड हुआ करते थे, हमारी सरकार आने के बाद अमीर-गरीब सबके लिए एक जैसी राशनकार्ड और राशन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का काम किया।

मंत्री श्री भगत ने कहा कि जब देश-विदेश में लोग छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा और छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया के नाम से जानते हैं तो हमे गर्व महसूस होता है। इस वर्ष मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में साढ़े तेइस लाख किसानों से रिकार्ड 107 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी कर नया कीर्तिमान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में खुशहाली है तो राज्य सरकार की कुशल प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में सुधार के कारण ही संभव हो पाया है, क्योकि छत्तीसगढ़ सरकार गरीब, अमीर, किसान, मजदूर सब के जेब में सीधे पैसे डालने का काम किया है। मंत्री श्री भगत ने कहा कि राज्य सरकार आप के हितों के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को नए जोश और ऊर्जा के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने संघ की मांगों को मुख्यमंत्री से चर्चा कर सहानुभूतिपूर्वक पहल करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य माखन कुर्रे, संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन नीलकंठ टेकाम, दिलीप वासनीकर, अधिकारी-कर्मचारी संघ के संयोजक कमल वर्मा, संघ के अध्यक्ष रामसागर कोसले, सर्वश्री संतोष कुमार वर्मा, सत्येन्द्र देवांगन, जय साहू, आलोक वशिष्ठ, आर.एन. पटेल, सुभाष श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

खनिजों से चालू वित्तीय वर्ष में दिसम्बर तक मिला 8672 करोड़ रूपए का राजस्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2022-23 में खनिज राजस्व के 13 हजार करोड़ रूपए के लक्ष्य के विरूद्ध माह दिसम्बर 2022 तक 8672 करोड़ रूपए का खनिज राजस्व प्राप्त हुआ है। यह जानकारी संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म जय प्रकाश मौर्य की अध्यक्षता में इंद्रावती भवन, नवा रायपुर में एक फरवरी को आयोजित विभाग के क्षेत्रीय प्रमुखों एवं जिला खनिज अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दी गई।

बैठक में बताया गया कि विभाग द्वारा 12 नवीन खनिज ब्लॉकों का आबंटन किया गया है। अधिसूचित क्षेत्रों में रेत खानों का संचालन का अधिकार पुन पंचायतों को सौंपा गया है। बैठक में यह जानकारी भी दी गई कि प्रदेश के सूरजपुर एवं कोरिया जिले में कोल बेड मिथेन का ब्लॉक आबंटित हुआ है। कोल बेड मिथेन का औद्योगिक एवं राज्य के राजस्व हित में निहित महत्व को दृष्टिगत रखते हुए बैठक के दौरान इस पर महानिदेशालय हाइड्रोकार्बन के प्रतिनिधि द्वारा विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया। इसी प्रकार एक निजी कंपनी द्वारा आईटी आधारित खनिज परिवहन सर्विलियेस पर भी प्रेजेंटेशन दिया गया।

बैठक में विभाग के कार्यालय प्रमुख अनुराग दीवान, संयुक्त संचालक संजय कनकने, संयुक्त संचालक महिपाल सिंह कंवर एवं संचालनालय स्तर के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर है मड़ई मेलाः मंत्री डहरिया

मड़ई मेला में पहुंचे मंत्री डॉ. डहरिया ने 1 करोड़ 8 लाख रूपये के विकास कार्यों की घोषणा की

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिसंबर से लेकर मार्च-अप्रैल महीने तक पूरे प्रदेश भर के ग्रामीण अंचलों में मड़ई मेला का आयोजन किया जाता है और छत्तीसगढ़िया समाज के द्वारा उत्साह के साथ इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को मनाया जाता है। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया के विधानसभा क्षेत्र आरंग के विभिन्न ग्रामों में मड़ई मेला का आयोजन किया जा रहा जिसमें मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। विगत दिनों गनौद, तुलसी एवं जावा में आयोजित मड़ई मेला में मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ग्रामीणों के बीच पहुंचे तथा मड़ई मेलों में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि मड़ई मेला हमारे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर है। जिसे हम अपने पूर्वजों से पीढ़ी दर पीढ़ी देखते आए हैं। हमें भी इस सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना है तथा आने वाली पीढ़ी तक पहुंचना है।

मड़ई मेला के अवसर पर ग्रामीणों ने विकास कार्यों की मांग भी की, जिस पर मंत्री डॉ. डहरिया ने मंच से एक करोड़ आठ लाख रूपये के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने ग्राम गनौद में धान खरीदी केंद्र में सीसी रोड़ निर्माण हेतु 69.46 लाख रूपये, साहू समाज सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 6.50 लाख रूपये, पंखटिया तालाब में शेड निर्माण हेतु 02 लाख रुपये, गौरा गौरी मंच निर्माण हेतु 1.50 लाख रुपये, ग्राम तुलसी में शीतला मंदिर से नोहर के घर तक सीसी रोड़ निर्माण हेतु 14.76 लाख रूपये, साहू समाज सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 05 लाख रुपये, मंगल भवन अहाता निर्माण हेतु 2.50 लाख रुपये और रंगमंच निर्माण हेतु 1.50 लाख रुपये, ग्राम जावा में मौली माता मंदिर में पेवर ब्लाक हेतु 05 लाख रूपये की घोषणा की गई है। मंत्री डॉ. डहरिया को संकरी के आश्रित ग्राम जावा के ग्रामीणों ने अवगत कराया कि उन्हें राशन के लिए 07 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, इसलिए हमारे गांव में राशन दुकान खुलवा दीजिए, जिस पर मंत्री डॉ. डहरिया ने तत्काल घोषणा कर एक सप्ताह के भीतर गांव में ही राशन दुकान खुलवाने की घोषणा की। इस माह से ग्रामीणों को अब राशन दुकान से राशन वितरण शुरू कर दिया गया है, इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया है। गांववासियों ने मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

सस्ते दर पर दवाई मिलने से 81.97 करोड़ से ज्यादा की हुई बचत, सीएम बघेल की सार्थक पहल से नागरिकों के जेब को मिल रही बड़ी राहत

श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर जरूरतमंद एवं गरीबों के लिए बन रही जीवनरक्षक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सार्थक पहल से छत्तीसगढ़ के गरीब जनता तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार मुख्यमंत्री बघेल की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इसके लिए राज्य के सभी नगरीय निकायों में श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना के तहत जेनेरिक दवाओं की दुकानों का संचालन किया जा रहा है। इन दुकानों में देश की ख्याति प्राप्त कंपनियों की जेनेरिक दवाईयां 50 से 70 प्रतिशत कम कीमत पर उपलब्ध है। धन्वंतरी दवा दुकानों में सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर, इन्सुलिन के साथ गंभीर बीमारियों की दवा, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आईटम भी रियायती मूल्य पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना 20 अक्टूबर 2021 से शुरू की गई है। योजना के तहत राज्य के समस्त 169 नगरीय निकायों में 194 श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर खोले गये हैं। शासकीय चिकित्सकों को अस्पताल में इलाज हेतु आने वाले मरीजों को जेनेरिक दवाई लिखना अनिवार्य किया गया है। योजना से अब तक 135.33 करोड़ रूपए एम.आर.पी. की दवाईयों के विक्रय पर 81 करोड़ 97 लाख रूपए की छूट जरूरतमंद लोगों को दी गई है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकाय में संचालित धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल की दुकानों से 44 लाख 48 हजार से अधिक नागरिकों ने सस्ती दवायें खरीदी है। जिससे लोगों को काफी राहत मिली है और कम मूल्य पर दवा उपलब्ध होने से बचत हो रही है। श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोरों में दवाओं की उपलब्धता एवं संचालन व्यवस्था की निगरानी नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया करते रहते है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थायें लगातार करते रहने के निर्देश दिए है।

महासमुंद के धन्वंतरी मेडिकल स्टोर पर दवाइयाँ लेने आए शुभम मिश्रा ने बताया कि अन्य मेडिकल पर 400-450 की दवाईयां यहां 160-170 में मिल जाती है। अब वह और उनके परिजन, दोस्त अन्य पड़ौसी भी बीमारी की दवाइयां यही से खरीदते है। कुछ दवाइयां नहीं मिल पाती पर जरूरत की दवाईयां कम क़ीमत पर मिल जाती है। वही मोहम्मद अपनी मां के लिए दवाइयां लेने पहुंचे उन्होंने भी धन्वंतरी मेडिकल को ग़रीबों के लिए जीवनदायनी बताया। तो बागबाहरा की सर्दी बुख़ार से पीड़ित सावित्री साहू ने बताया कि दूसरे मेडिकल पर बहुत महँगी दवाइयाँ देते है लेकिन यहाँ वही दवाई कम क़ीमत पर मिल रही है। इससे पैसे की भी बचत हो रही है। स्टोर्स के संचालक का कहना है कि इस वर्ष मौसमी बीमारी की दवाइयां कई पीड़ित लोग लेने आये। जो दवाइयां उपलब्ध नहीं होती उन्हें बाद में लेकर उपलब्ध करा दिया जाता है।

चिरमिरी पालिका निगम चिरमिरी स्थित स्टोर में दवाइयां खरीदने आए सपन कमार साहा बताते हैं कि मैं यहां माता-पिता के लिए दवाएं लेने आता हूं पहले मुझे 9 से 10 हजार दवाईयों पर खर्च करने पड़ते थे यहां मुझे उसी फॉर्मूले की असरकारक दवाएं मात्र 4-5 हजार में मिल रहीं हैं। वहीं गोदरीपारा की कलावती ने बताया कि मुझे प्रति सप्ताह बी.पी., शुगर व थाइराईड की 500 रुपए तक की दवा लगती थी, परन्तु मुझे यहां दवाएं 250 रुपए में मिली है, जिससे काफी बचत हो रही है।

नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायपुर जिले में 19, गरियाबंद में चार, बलौदाबाजार-भाटापारा में सात, धमतरी में सात, महासमुंद में छह, दुर्ग में 18, बालोद में आठ, बेमेतरा में आठ, राजनांदगांव में पांच, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में तीन, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ में एक, कबीरधाम में छह, बिलासपुर में 10 तथा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में दो, धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर संचालित किए जा रहे है। इसी तरह से मुंगेली में चार, कोरबा में छह, जांजगीर-चांपा में नौ, सक्ती में छह, रायगढ़ में आठ, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में पांच, जशपुर में पांच, सरगुजा में चार, बलरामपुर में पांच, सूरजपुर में छह, कोरिया में दो, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में पांच, बस्तर में तीन, कोण्डागांव में तीन, नारायणपुर में एक, कांकेर में छह, दंतेवाड़ा में पांच सुकमा में तीन और बीजापुर जिले में दो धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर संचालित किए जा रहे है। शासकीय चिकित्सकों को अस्पताल में इलाज हेतु आने वाले मरीजों को जेनेरिक दवाई लिखना अनिवार्य किया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बगीचे को साफ रखने के लिए इस्तेमाल करें ये 5 टिप्स

घर पर एक अच्छा और सुंदर बगीचा बनाए रखना पर्यावरण के लिए काफी अच्छा होता है। इसके साथ ही यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बढ़िया है। दिनभर की थकान के बाद बगीचे में आराम से बैठकर अपने सुंदर पौधों को फलते-फूलते देखना काफी शानदार दृश्य है, जिससे आप काफी सुकून महसूस करते हैं। आइए आज आपको अपने बगीचे को साफ रखने के लिए पांच गार्डनिंग टिप्स बताते हैं, जिनका पालन आपको जरूर करना चाहिए।

बगीचे से जंगली घास को निकाल दें

आमतौर पर बगीचों में जंगली घास हो जाती है, जो कीटों के समान होती है। यह बीज तक पहुंचकर पौधों को खराब कर सकती है, इसलिए अपने बगीचे को अच्छा रखने के लिए सभी खरपतवारों को साफ करना जरूरी है। हालांकि, खरपतवारों को मारने के लिए रसायनों का इस्तेमाल अक्सर मिट्टी को भी प्रभावित कर सकता है। इस वजह से खरपतवारों को हाथ से या फिर कुदाल का इस्तेमाल करके निकालना सबसे अच्छा तरीका है।

नियमित रूप से घास काटें और पानी दें

अपने बगीचे को हरा-भरा बनाने और ताजी स्थिति में रखने के लिए घास और पौधों को पानी देना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। मौसम के आधार पर पौधों को रोजाना और घास को सप्ताह में दो-चार बार पानी दें। इसके अलावा जब घास पांच-छह सेंटीमीटर ऊंचाई तक बढ़ जाए तो अपने बगीचे की कटाई जरूर करें। नियमित घास काटने से घास भी समय के साथ मजबूत और स्वस्थ हो जाती है।

गमलों और पत्तियों को रोजाना साफ करें

यदि आप अपने बगीचे की सुंदरता को बनाए रखना चाहते हैं तो गमलों और पत्तियों पर लगी धूल और मिट्टी को साफ करने की आदत डाल लें। पत्तियों से धूल साफ करने से वे ज्यादा फ्रेश दिखाई देंगी। इस बात का भी ध्यान रखें कि पौधे को अधिक रोशनी मिलती रहे। याद रखें कि पत्तियों को साफ करने के लिए हमेशा एक मुलायम कपड़े का इस्तेमाल करें और गमलों को साफ करके पानी से धो दें।

सूखी पत्तियों को हटाकर झाड़ियों की छंटाई करें

बगीचे को साफ-सुथरा दिखाने के लिए समय-समय पर सूखी और गिरी हुई पत्तियों को हटाना जरूरी होता है। ये गिरी हुई पत्तियां अक्सर बगीचे में सड़ जाती हैं और सतह को फिसलने वाली बना सकती हैं। इन्हें साफ करने के लिए आप बगीचे की झाड़ू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा बगीचे के पौधों के अन्य हिस्सों को खराब होने से रोकने के लिए सूखी झाड़ियों और खराब पत्तियों की कटाई-छंटाई करना भी जरूरी होता है।

बगीचे के फर्नीचर और सजावट को साफ करें

बगीचे में मौजूद टेबल, कुर्सियां या लाउंजर जैसे फर्नीचर और सजावट की चीजों में गंदगी, नमी, फफूंदी और धूल जम जाती है। इसकी वजह से बगीचे बेकार और गंदे दिखने लगते हैं। बगीचे को सुंदर बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार गीले कपड़े से इनकी सफाई करना जरूरी होता है। इसके अलावा साफ और शुद्ध वातावरण बनाए रखने के लिए टूटे या घिसे-पिटे फर्नीचर की मरम्मत या उसे बदलवाना जरूर याद रखें।

मोलक्की के दूसरे सीजन से विधि यादव करेंगी टीवी डेब्यू

कलर्स चैनल पर प्रसारित होने जा रहा शो मोलक्की- रिश्तों की अग्निपरीक्षा के जरिए सोशल मीडिया स्टार विधि यादव टेलीविजन पर डेब्यू कर रही हैं। अभिनेता आशीष कपूर भी शो में मुख्य भूमिका निभाएंगे। शो की कहानी भूमि (विधि) के इर्द गिर्द घूमती है, जो एक कलाकार बनाना चाहती है। यह एक ऐसी महिला के संघर्ष की कहानी है, जिसके सारे सपने तब बिखर जाते हैं जब उसे बिना मर्जी के शादी करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

शो में शामिल होने पर उन्होंने कहा, इस शो का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। यह शो एक दुल्हन खरीदने के प्रासंगिक और सोचने पर मजबूर कर देने वाले मुद्दे पर प्रकाश डालता है। विधि और आशीष के अलावा शो में विवान मुद्गल, शहाब खान, अंकित व्यास, पियाली मुंशी और भव्य सचदेवा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। एकता कपूर की कंपनी बालाजी टेलीफिल्म ने दूसरे सीजन का निर्माण किया है।

कौन हैं विधि यादव?

विधि एक भारतीय सोशल मीडिया स्टार हैं। वह अपने चाहने वालों के बीच रील्स और डांस वीडियो बनाने के लिए जानी जाते हैं। भारत में उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। केवल इंस्टाग्राम पर ही उनके 32 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। विधि मुंबई की रहने वाली हैं। वह एक मशहूर सोशल मीडिया स्टार होने के अलावा मॉडल, अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं।

अगर ऐसे करती हैं बालों में कंघा तो जरूर होगा हेयर फॉल

स्मूद बाल किसे पसंद नहीं होते। अगर आप ट्रैवल करते हैं या तेज हवा में रहते हैं तो उलझे बालों का स्ट्रगल अच्छी तरह समझ सकते हैं। इन बालों को सुलझाना सबसे बड़ा टास्क है। अगर आप बाल गलत तरीके से सुलझाते हैं इनसे आपके बाल टूट सकते हैं और कमजोर हो सकते हैं। अगर आपको कंघा करने के बाद फर्श पर बाल फैले दिखते हैं तो शायद आप ये गलतियां कर रहे हैं।

गलत कंघे का इस्तेमाल

छोटे दांतों वाले कंघे बाल सुलझाने के लिए नहीं होते। बल्कि इनसे कमजोर बाल टूट सकते हैं। बाल सुलझाने के लिए हमेशा चौड़े दांत का कंघा इस्तेमाल या पैडल ब्रश का इस्तेमाल करें।

आप जड़ों से बाल सुलझा रहे हैं

अगर आपके बाल उलझे हैं तो जड़ों से बाल सुलझाना शुरू न करें। हमेशा एंड से बाल सुलझाएं। इस तरह से जब आप जड़ों तक पहुंचेंगे तो आपके बालों की गांठें सुलझ जाएंगी इससे कंघा करने में आसानी होगी। इससे बाल खिंचेंगे नहीं और जड़ों पर प्रेशर नहीं पड़ेगा।

बालों की सेक्शनिंग न करना

अगर आपके बाल लंबे और घने हैं तो बेहतर होगा कि इन्हें छोटे सेक्शंस में डिवाइड करें। इससे न सिर्फ सारा प्रॉसेस आसान हो जाएगा बल्कि बाल सुलझ भी जाएंगे। हालांकि ऐसा करने में हड़बड़ी न दिखाएं। अगर जरूरत लगे तो बाल गीले कर लें फिर ऐसा करें।

बाल सुलझाने के लिए सीरम का इस्तेमाल न करना

अगर उलझे बाल आपकी प्रॉब्लम बन गए हैं तो सीरम का इस्तेमाल जरूर करें। इससे बाल मुलायम होते हैं और गांठें आासनी से खुल जाती हैं। साथ में यह भी ध्यान रखें कि अगर एक बार आपके बाल सुलझ गए हैं तो बालों में तेल लगाना शुरू करें। सुलझने के बाद बालों की नमी कम हो जाती है, जरूरी है कि इन्हें हाइड्रेट रखा जाए।

सर्दी के मौसम में त्वचा को मॉश्चराइज करें नेचुरल तरीकों से कुछ इस तरह

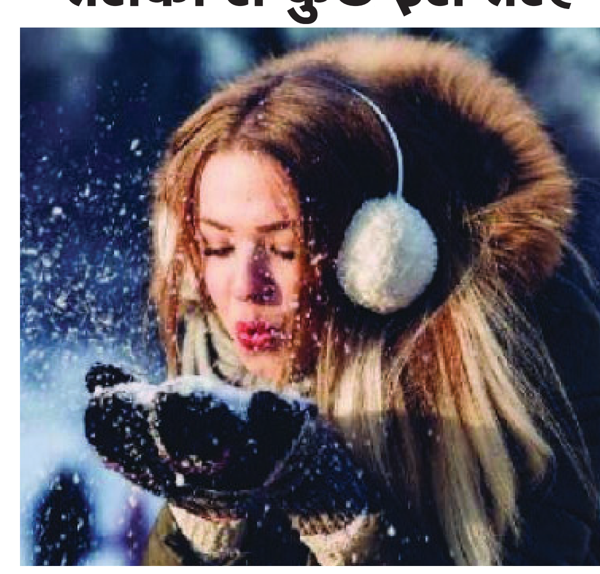

सर्दियों के मौसम में ज्यादातर लोगों की त्वचा नमी खोने लगती है. चेहरा रूखा और खिंचा-खिंचा सा नजर आता है. ऐसे में स्किन को सही देख-भाल की जरुरत पड़ती है. त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए मॉश्चराइज करना जरूरी होता है. जो हमारी त्वचा को भरपूर नमी दे सके. ऐसे में ये जानना जरुरी हो जाता है की कड़ाके की ठण्ड में कौन सा मॉश्चराइजर प्रयोग करे जो त्वचा को नमी भी दे और नुकसान भी न करे.

इस बारे में बता रहीं है ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी -बाजार में कई तरह के मॉश्चराइजर मौजूद हैं, लेकिन इसमें कई तरह के केमिकल्स भी होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं इसके मुक़ाबले घरेलू मॉश्चराइजर ज्यादा फायदेमंद होते हैं.आप इसे आसानी से घर पर बना कर सर्दियों में रूखी त्वचा से छुटकारा पा सकती हैं.

दूध, नीबू और जैतून का तेल

कच्चा दूध रूखी त्वचा के लिए एक अच्छे मॉश्चराइजर का काम करता है. ये त्वचा को साफ भी रखता है और कोई नुकसान भी नहीं पहुंचाता. इसका मॉइस्चर बनाने के लिए 2 चम्मच जैतून के तेल में थोड़ा दूध मिला लें. इसमें दो चम्मच नींबू का रस मिला लें और फिर इसे अच्छी तरह से पूरी त्वचा पर लगाएं. इससे त्वचा कोमल और मुलायम रहेगी.

एलोवेरा और गुलाब की पत्तियां

गुलाब की पत्तियों का मॉश्चराइजर बनाने के लिए गुलाब की पत्तियों को गुलाब जल डालकर उबाल लें. ठंडा होने पर इसे छान लें फिर इसमें दो चम्मच एलोवेरा जूस मिला लें. इसे रोजाना अपनी त्वचा पर लगाएं. कुछ ही दिन में आपको फर्क दिखने लगेगा. इसे बना कर फ्रिज में न रख कर कमरे के तापमान पर ही रखें.

नारियल तेल, शहद और नीबू

एक चम्मच नारियल का तेल, एक चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लेकर इसे अच्छी तरह मिला लें. फिर इस मिश्रण को दिन में एक बार अपनी त्वचा पर लगा केर 10 मिनट लगा रहने दे फिर साफ़ कर ले. आप इसे फ्रिज में स्टोर करके रख सकतें हैं.

एलोवेरा जेल जैतून का तेल, और बादाम तेल

आप चार चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच बादाम तेल , एक चम्मच जैतून का तेल लें. इन सभी को अच्छे से मिला कर त्वचा पर लगाएं. एलोवीरा जेल जैतून का तेल, और बादाम तेल सर्दी के मौसम में त्वचा के लिए बेस्ट मॉश्चराइजर हैं, इससे त्वचा में निखार आयेगा.

वेट मशीन पर अपना वजन करते वक्त इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

वेट लॉस करना आसान नहीं है। इसके लिए आपको कड़ी मेहनत और डेडिकेशन की जरूरत होती है। जब बात डायट की आती है तो खुद पर कंट्रोल रखना होता है, एक्सर्साइज करनी होती है। और ये सारी मेहनत करने के बाद जब आप वेट मशीन पर अपना वजन करें और आपको उसमें अंतर नजर आए तो कितनी खुशी होती है ना। लेकिन हम आपको बता रहे हैं कि आखिर अपना वजन नापते वक्त आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

3 जरूरी बातों का रखें ध्यान

वेट मशीन पर अपना वजन लेना आसान नहीं है। अलग-अलग तरह के स्केल्स और मशीन बाजार में उपलब्ध है लिहाजा आपके लिए कौन सी मशीन सही है, दिन का कौन सा समय वजन देखने के लिए सबसे सही माना जाता है...इस तरह की कई बातें हैं जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए। लिहाजा मशीन पर अपना वेट देखते वक्त इन 3 बातों का ध्यान जरूर रखें।

अपने वेट का रेकॉर्ड मेनटेन करें

वेट स्केल पर अगर वजन में जरा सी भी कमी नजर आए तो वो किसी अचीवमेंट से कम नहीं लगता लेकिन इन बदलावों पर लगातार नजर रखना जरूरी है और इसके लिए आप चाहें तो एक जर्नल मेनटेन कर सकते हैं या फिर ऐप का इस्तेमाल करें या फिर हर बार जब आप वेट मशीन पर चढ़ें और अपना वजन देखें तो उसे कहीं नोट कर लें। ऐसा करने से आपके वेट लॉस प्रोसेस में एकरूपता बनी रहेगी और आप सही दिसा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं ये भी पता चल जाएगा।

वेट चेक करने के लिए सुबह का वक्त है सही

दिन खत्म होते वक्त अपना वजन चेक करने की बजाए सुबह उठते के साथ सबसे पहले अपना वजन चेक करें। ऐसा इसलिए क्योंकि सुबह उठते के साथ आपका शरीर फ्रेश रहता है, रात भर की नींद के बाद शरीर आराम में रहता है, खाने को पचाने के लिए शरीर को पूरा समय मिलता है। ऐसे में अगर आप सुबह उठते के साथ सबसे पहले अपना वेट चेक करें तो आपको ऐक्युरेट और एकदम सही रीडिंग मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

कितनी बार वेट चेक करना चाहिए?

अगर आप वेट लॉस की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी है कि आप नियमित रूप से अपना वेट चेक करें। लेकिन आखिर हफ्ते या महीने में कितनी बार वेट चेक करना चाहिए, ये कैसे पता चलेगा। तो इसका जवाब ये है कि हफ्ते में 1 बार अपना वजन चेक करें। अलग-अलग फैक्टर्स की वजह से हर दिन आपका वजन ऊपर-नीचे हो सकता है। लिहाजा हफ्ते में एक बार वेट चेक करना काफी है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत टीबी के मरीजों को पोषण आहार प्रदाय किया गया

राजनांदगांव। जिला क्षय कार्यालय में टीबी के मरीजों को निक्षय मित्र के सहयोग से डॉ अल्पना लूनिया एवम स्टाफ मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा पोषण आहार प्रदान किया गया। डॉ अल्पना लूनिया ने बताया की राजनांदगांव जिले में एक पहल करते हुए यश प्रदीप शर्मा एवम परंपरा ग्रुप के सदस्यो ने सामने आकर निक्षय मित्र के रूप में पंजीयन कराया एवम टी बी के कुछ मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया एवम प्रति माह प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान में कोई भी व्यक्ति, एन जी ओ, ट्रस्ट, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि टी बी के मरीजों को गोद लेकर पौष्टिक आहार मरीजों को नक्षिय मित्र बनकर सीधे किट प्रदान कर सकते है । जिला क्षय विभाग के प्रोजेक्ट अधिकारी भूषण साहू ने बताया की भारत को 2025 तक टी बी मुक्त किया जाना है छत्तीसगढ़ राज्य को 2023 तक टीबी मुक्त किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान का कियान्वयन किया जाना है जिसके अंतर्गत अधिक से अधिक दानदाता व्यक्ति को निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत कर टीबी मरीजों को उपचार पूर्ण होने तक (6 माह / 1 वर्ष तक) पोषण आहार प्रदाय किये जाने हेतु प्रेरित किया जाना है, जिससे कि टीबी मरीजों के ईलाज में सहयोग प्राप्त हो सके एवं उनके प्रति भेद-भाव को दूर किया जा सके जिससे राज्य को टीबी मुक्त किये जाने में सहायता मिल सकता है।

राज्यपाल ने हेमचंद यादव विश्वद्यिालय के कार्यपरिषद में सदस्य नामांकित किए

रायपुर । राज्यपाल सह कुलाधिपति सु अनुसुईया उइके ने छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 23(1)(पप) में निहित प्रावधानों के अंतर्गत संकाय अध्यक्ष संवर्ग से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कार्यपरिषद में सदस्यों के नाम निर्देशित किये है। राजभवन सचिवालय द्वारा जारी आदेश अनुसार संकाय अध्यक्ष, कला संकाय, शासकीय वी. वाय. टी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के डॉ. अभिनेष सुराना, संकाय अध्यक्ष, शिक्षा संकाय एवं प्राध्यापक शिक्षा, शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी, भिलाई के डॉ. नीरा पाण्डेय, संकाय अध्यक्ष, वाणिज्य संकाय शासकीय वी.वाय.टी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के डॉ. एच. पी. सिंह सलूजा तथा संकाय अध्यक्ष, गृह विज्ञान संकाय, शासकीय डब्ल्यू. डब्ल्यू. पाटणकर महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग को कार्य परिषद में सदस्य के रूप में नाम निर्देशित किया गया है।

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला का हुआ समापन, विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत हुए शामिल कहा-

संस्कृति के साथ बनी रहे कोसा-कांसा-कंचन की पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2023 का आज जिला मुख्यालय जांजगीर-चांपा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन सहित गीत संगीत प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. चरणदास महंत अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा ने कहा कि जांजगीर हम सब का जिला है। यहां का नाम और पहचान बढ़ने पर हम सबकी भी पहचान बढेगी।

डॉ. महंत ने कहा कि जांजगीर जिला कोसा-कांसा-कंचन के नगरी के रूप में पहचाना जाता है। यहां की संस्कृति एक अलग ही पहचान लिये हुए है। समय के साथ इन विरासतों को सहेजने की आवश्यकता है। महोत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परम्परा को सहेजने के साथ ही पहचान दिलाने का काम किया जा रहा है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है।

मुख्य अतिथि डॉ महंत ने आगे कहा कि महोत्सव तथा मेला मनोरंजन के साथ बीते वर्षा की उपलब्धियों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताने का आसान माध्यम भी है। राज्य में जब से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार बनी है तब से प्रदेश के गरीबों, मजदूरों, किसानों और श्रमिकों सहित जन-जन को अपनापन महसूस होता है। महात्मा गांधी जी द्वारा कुटीर उद्योगो के माध्यम से देखे गए स्वावलंबी तथा आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के सपनो को भी सरकार द्वारा सुराजी गांव योजना नरवा, गरवा घुरूवा और बाड़ी के माध्यम से साकार किया जा रहा है। गौठानों में महात्मा गांधी औद्योगिक पार्क योजना से आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने की अभिनव पहल की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ महंत ने आगे कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं रहा होगा कि गोबर से पेंट बनाया जाएगा। आज यह काम राज्य में हो रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री सहित इस काम में लगे हुए सभी लोग बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि महोत्सव के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को मंच देने के साथ ही राज्य स्तरीय कलाकारों के माध्यमों से लोक संस्कृति को संरक्षित करने के साथ ही आगे बढ़ाया जा रहा है। डॉ महंत ने कहा कि जांजगीर जिले की संस्कृति उन्नत स्तर की रही है। यहां के कवि, साहित्यकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बहुत ही उच्च स्तर के रहे हैं। उनसे हम सभी को प्रेरणा मिली है। स्वर्गीय श्री बिसाहू दास महंत और श्री श्यामाचरण शुक्ला सहित अन्य विभूतियों ने जिले में बांध और नहर के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई। उनके इस प्रयास से जिले में धान का सर्वाधिक उत्पादन होता है।

उन्होंने नवपदस्थ कलेक्टर के मार्गदर्शन में लोक महोत्सव तथा कृषि मेला का सफल आयोजन होने पर बधाई दी और कहा कि उनके नेतृत्व में जिले में धान उत्पादन, पैरादान, गौठान के क्षेत्र में और भी बेहतर कार्य होंगे तथा फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगेंगे। समापन समारोह को विधायक पामगढ़ श्रीमती इंदु बंजारे, छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ रामसुन्दर दास और छ.ग. राज्य शाकम्भरी बोर्ड श्री रामकुमार पटेल सहित अन्य अतिथियों ने संबोधित किया। सभी ने जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला के आयोजन की सराहना करते हुए इससे किसानों सहित जनसामान्य को लाभ पहुंचने की बात कही। इस अवसर पर अतिथियों ने जाज्वल्या स्मारिका का विमोचन भी किया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यनिता यशवंत चन्द्रा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला श्री भगवानदास गढ़ेवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चांपा जय थवाईत, उपाध्यक्ष जिला पंचायत राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल छ.ग श्रीमती मंजू सिंह, नारायण खण्डेलिया - सदस्य, जीव जन्तु कल्याण बोर्ड छ.ग., रमेश पैगवार सदस्य, अनुसूचित जाति आयोग छ.ग., श्रीमती ज्योति किशन कश्यप सदस्य, खाद्य आयोग छ.ग., हरप्रसाद साहू - सदस्य, श्रम कल्याण बोर्ड छ.ग., जिला पंचायत सदस्य राजकुमार साहू, जनपद पंचायत नवागढ़ अध्यक्ष श्रीमती प्रीतिदेवी सिंह, दिनेश शर्मा, श्री परस शर्मा, श्री रवि पांडेय, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी ही संख्या में किसान उपस्थित थे। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2023 के अवसर पर जिला स्तरीय रामायण मंडली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जनपद पंचायत बम्हनीडीह के महादेव मानस मंडली, द्वितीय जनपद पंचायत पामगढ़ के हर हर गंगा रामायण मंडली और तृतीय स्थान पर जनपद पंचायत नवागढ़ के अंजलि नंदिनी मानस मंडली रही। मुख्य अतिथि डॉ चरणदास महंत अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया।

सिरपुर महोत्सवः तीन दिन रहेगी कार्यक्रमों की धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद । सिरपुर महोत्सव 5 से 7 फरवरी तक आयोजित होगा। तीनों दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे। सिरपुर महोत्सव में तीन तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। शुभारम्भ छत्तीसगढ़ खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत 5 फरवरी शाम को करेंगे। सिरपुर महोत्सव में तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा जो इस प्रकार है। कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे से शुरू होकर रात्रि 10:00 बजे तक होंगे। रविवार 5 फरवरी को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम इस प्रकार है।

दोपहर 12.30 बजे से 01.00 तक दिनेश साहू एवं साथी भोरिंग महासमुन्द द्वारा छत्तीसगढ़ लोक गीत, दोपहर 01.00 बजे से 01.30 तक छत्तीसगढ़ संस्कृति व परम्परा नृत्य नाटिका एकलव्य आवासी आदर्श विद्यालय भोरिंग महासमुन्द द्वारा नृत्य नाटिका, दोपहर 01.30 बजे से 02.30 तक रंजीत चक्रधारी नाचा गम्मत पार्टी सरायपाली द्वारा कोमाखान नाचा गम्मत की प्रस्तुति होगी। इसी प्रकार दोपहर 02.30 बजे से 03.00 तक सत के अंजोर पंथी नृत्य दल सोनदादर द्वारा पंथी नृत्य का प्रदर्शन होगा। दोपहर 03.00 बजे से 03.30 तक फ्लझरिया कर्मा पार्टी बिलखण्ड द्वारा कर्मा नृत्य, दोपहर 03.30 बजे से 04.00 तक योगराज चौहान एवं साथी रेवा मोंगरापाली बागबाहरा द्वारा डण्डा नृत्य तथा सायं 04.00 बजे से 04.50 तक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच लोक रागिनी परिवार ग्राम बरभाठा झलप महासमुन्द द्वारा लोक गीत नृत्य की प्रस्तुति होगी। शाम 04.50 बजे से 06.30 तक सिरपुर महोत्सव का उद्घाटन, सायं 6.30 बजे से 06..40 तक कुमारी भाव्या चन्द्राकर शिक्षक कालोनी रायपुर द्वारा कत्थक एकल नृत्य तथा सायं 6.40 बजे से 10..00 तक अलका चंद्राकर परगनिहा फुलवारी लोक कला मंच रायपुर द्वारा लोक कला मंच की प्रस्तुति होगी।

इसी प्रकार 6 फरवरी को दोपहर सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होंगे इस दिन कार्यक्रम शाम 5 बजे से शुरू होंगे जो रात्रि 10:00 बजे तक चलेंगे। सायं 05.00 बजे से 05.30 तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोंहदा विकासखंड सरायपाली द्वारा कर्मा नृत्य, सायं 05.30 बजे से 06.00 तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुलारपाली विकासखंड बसना द्वारा डंडा नृत्य की प्रस्तुति देंगे।

सायं 6.00 बजे से 06.10 तक कुमारी आस्था पटनायक कक्षा 6वीं की ओडिसी नृत्य एकल नृत्य तथा सायं 6.10 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक लोक रंग अर्जुन्दा दुर्ग द्वारा लोक कला मंच की प्रस्तुति होगी।

सिरपुर महोत्सव के अंतिम दिन 7 फरवरी को कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे से शुरू होकर रात्रि 10:00 बजे तक चलेंगे। दोप. 03.00 बजे से 03.30 तक बाल कृष्ण राउत नाचा पिरदा विकासखण्ड महासमुन्द द्वारा राउत नाचा, दोपहर 03.30 बजे से 04.00 तक जय गौरी गौरा सुआ दल छपोराडीह सुवा नृत्य, सायं 04.00 बजे से 04.50 तक कौशिल्याबाई निर्मलकर खुर्शीपार सुरता कला मंच, खुर्सीपार देवरी द्वारा भरथरी गीत की प्रस्तुति होगी। सायं 6.30 बजे से 06..40 तक पूरना श्री राउत द्वारा ओडिसी नृत्य एकल नृत्य तथा सायं 6.40 बजे से रात्रि बजे 10.00 तक ईशिता विश्वकर्मा एवं टीम मुंबई द्वारा बॉलीवुड कलाकार की प्रस्तुति होगी।

मुख्यमंत्री के काफिले में नये टोयोटा फॉर्च्यूनर वाहन किए गए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के काफिले में अत्याधुनिक सुरक्षा मानकों से लैस काले रंग के नए टोयोटा फॉर्च्यूनर वाहन शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने आज सवेरे यहां अपने निवास परिसर में अपने काफिले में शामिल हो रहे इन नए वाहनों की मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री इसके बाद नए वाहनों के काफिले में पुलिस लाइन रायपुर हेलीपेड के लिए रवाना हुए। जहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए रवाना हुए।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री बघेल के काफिले की पुरानी गाड़ियां करीब पांच साल चल चुकी हैं। सुरक्षा कारणों से इन गाड़ियों को बदला गया है। पुरानी गाड़ियां एक लाख 30 हजार किलोमीटर से ज्यादा चल चुकी हैं।

---

16 बाल वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में इंडियन साईंस कांग्रेस में प्रस्तुत किया अपना शोध परियोजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 16 बाल वैज्ञानिकों के द्वारा अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत शोधकार्य को विशेषज्ञों द्वारा खूब सराहना मिली। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन 27 से 31 जनवरी तक गुजरात कौंसिल ऑफसाइंस एंड टेक्नोलॉजी और विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में किया गया था। इसमें भारत के अन्य राज्यों से लगभग 1200 बाल वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु पिल्ले ने 16 बाल वैज्ञानिकों में से 12 लड़कियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा की यह चयन इस बात को दर्शाता है की लड़कियां विज्ञान और शोधकार्य में भी बढ़-चढ़ कर भाग ले रहीं है। इससे समाज में भी एक सार्थक सन्देश जायगा।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2022 में पारिस्थितिक तंत्र, स्वास्थ्य और कल्याण तथा पांच उपविषयो अपने पारिस्थितिकी तंत्र को जाने, स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण को बढ़ावा देना, पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाए, आत्मनिर्भरता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण, पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य के लिए तकनीकी नवाचार पर शोधकार्य प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में छत्तीसगढ़ के बाल वैज्ञानिक

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में छत्तीसगढ़ से प्रियांश भादुड़ी, नंदिता केवट, रूपशिखा साहू, दिशा साहू, प्रियांशु पटेल, राधिका कंवर, भूमिका जोशी, करम सैमुअल, महेश्वर साहू, जाह्नवी ठाकुर, किरण कंवर, खुशी झा, मनोहर बघेल, प्रार्थना केवट, अन्विका गुप्ता एवं अनन्या सिंह ने भाग लेकर शोध परियोजना प्रस्तुत किया। समापन सत्र में बाल वैज्ञानिकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इसके साथ ही बाल वैज्ञानिकों और शिक्षकों ने टीचर्स वर्कशॉप, मीट आफ साइंटिस्ट सेशन, लोकप्रिय विज्ञान वार्ता, प्रदर्शनी, गतिविधि शिविर, पोस्टर प्रस्तुती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में वैज्ञानिक डॉ जे.के. राय एवं चार शिक्षकों अनिल तिवारी, जगदीश्वर राव, श्रीमती मीना जॉनसन और श्रीमती सीमा चतुर्वेदी ने भाग लेकर बाल वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन किया।

इंडियन साइंस कांग्रेस में बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किया शोध परियोजना

इसके अलावा राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस से चयनित दो बाल वैज्ञानिक अनमोल मालवीय और कुमारी हर्षिता राठिया ने नागपुर, महाराष्ट्र में 3 से 7 जनवरी को आयोजित 108 वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में अपना शोध परियोजना प्रस्तुत किया।

इसके साथ हीं इण्यिन साईंस कांग्रेस में प्राईड ऑफ इंडिया-मेगा साईंस एस्पों में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिकों डॉ. जे.के. राय और डॉ. बीना शर्मा एवं दो परियोजना स्टाफ द्वारा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की विभिन्न गतिविधियों का प्रादर्श के माध्यम से प्रदर्शन किया।

हज-2023 के लिए आवेदन की प्रक्रिया आगामी सप्ताह से शुरु की जाएंगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हज कमेटी ऑफ इंडिया भारत सरकार के चेयरमैन जनाब ए. पी. अब्दुल्लाहकुट्टी ने रायपुर प्रवास के दौरान कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी पहुंचकर प्रदेश की हज व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने राज्य हज कमेटी द्वारा की जा रही हज व्यवस्थाओं एवं राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। हज कमेटी ऑफ इंडिया, भारत सरकार के चेयरमैन जनाब ए. पी. अब्दुल्लाहकुट्टी ने समस्त हज व्यवस्थाओं एवं हज यात्रियों को दी जा रही सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए आश्वासन दिया कि हज 2023 के लिए आवेदन की प्रक्रिया आगामी सप्ताह से शुरू की जाएँगी। राज्य हज कमेटी की विशेष मांग पर उन्होंने प्रदेश के हाजियों को हर संभव सुविधाए उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान एवं सदस्यों ने हज कमेटी ऑफ इंडिया भारत सरकार के चेयरमैन जनाब ए. पी. अब्दुल्लाहकुट्टी का पुष्पगुच्छ एवं राजकीय गमछा भेंट कर इस्तकबाल किया। इस अवसर पर राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान, विशेष रूप से आर.डी.ए. उपाध्यक्ष शिव सिंह ठाकुर, उर्दू अकादमी की पूर्व उपाध्यक्षा श्रीमती नजमा अजीम, हज कमेटी सदस्य मौलाना डॉक्टर कारी इमरान अशरफी, मौलाना कारी सैयद अशफाक अहमद अंजुम, शमीम अख्तर, मोहम्मद इमरान, डॉक्टर श्रीमती रुबीना अल्वी, सचिव साजिद मेमन उपस्थित रहे।

खास खबर

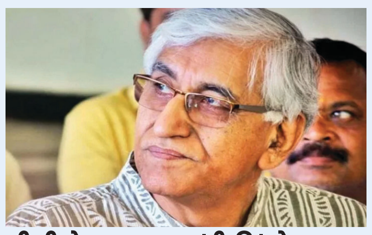

सीजी के स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, बाइक सवार को बचाते डिवाइडर से टकराई, दो टायर ब्लास्ट

बिलासपुर। शुक्रवार को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वे अकलतरा में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे इस इस दौरान उनके काफिले के सामने एक बाइक सावार आ गया और उसे बचाने के चक्कर सिंहदेव का वाहन डिवाइडर से टकरा गया। इसके बाद वाहन के दो टायर भी फट गए। हालंकि हादसे में स्वास्थ्य मंत्री को कोई चोट नहीं आई।

मिली जनकारी के अनुसार स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव अकलतरा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर से जांजगीर-चांपा जिले के लिए निकले थे। अभी उनका काफिला नांदघाट के पास पहुंचा था तभी एक बाइक सवार उसकी गाड़ी के सामने आ गया। अचानक बाइक सवार को देख सिंहदेव के वाहन चालक ने ब्रेक लगाया तो उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई। गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई और गाड़ी के दो टायर फट गए। हालांकि इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई। यहां से स्वास्थ्य मंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए और उसके बाद अंबिकापुर के लिए चले गए।

सोशल मीडिया पर चाईल्ड पोर्नोग्राफी अपलोड करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। चक्रधरनगर पुलिस द्वारा छोटे अतरमुड़ा क्षेत्र में रहने वाले राकेश शर्मा 32 साल को सोशल मीडिया साइट पर चाईल्ड पोर्न अपलोड करने के अपराध में धारा 67 (बी) आईटी एक्ट के तहत पंजीबद्ध अपराध में गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा लगातार सोशल साइट पर अश्लील विडियो शेयर करने वालों को चिन्हांकित कर वायरल किये गये मोबाइल धारकों पर संबंधित थानों के माध्यम से कार्रवाई कराई जा रही है। इसी क्रम में 02 फरवरी को एनसीआरबी की सायबर टीप लाइन पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग से थाना प्रभारी चक्रधरनगर को अग्रिम विधि सम्मत कार्रवाई के लिए प्राप्त हुआ। टीपलाइन के अनुसार मोबाइल नंबर 706707XXXX के धारक राकेश शर्मा निवासी छोटे अतरमुडा रायगढ के द्वारा 22 नवंबर 21 को चाईल्ड पोर्न वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड कर धारा 67 (ख) आई. टी. एक्ट का अपराध घटित करना पाया गया है। ऐसे में आरोपी राकेश शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया, आरोपी से विडियो अपलोड में प्रयुक्त सैमसंग का टच स्क्रीन मोबाइल जब्त कर आरोपी को आईटी एक्ट के अपराध में गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

रेलवे स्टेशन के पास गांजा बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहा ग्रामीण गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बेलगहना पुलिस ने टेंगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के पास पांच किलो गांजा के साथ ग्रामीण को गिरफ्तार किया है। आरोपित रेलवे स्टेशन के पास ग्राहक का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह को सूचना मिली थी कि एक ग्रामीण गांजा लेकर टेंगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के पास खड़ा है। वह गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। इस पर चौकी प्रभारी ने प्रधान आरक्षक घनश्याम आडिल और रुद्रशंकर तिवारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। दोनों ने आरक्षक सत्येंद्र राजपूत और ईश्वर नेताम के साथ घेराबंदी की। मौके से केशव मोंगरे(58) निवासी ग्राम करवा खोलीपारा को पकड़ा गया। पूछताछ में वह गोलमोल जवाब दे रहे था।

नाबालिग वाहन चालकों के साथ उनके पैरेंट्स पर भी करें कार्रवाई, समीक्षा बैठक में एसपी का अफसरों को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन व सड़क दुर्घटनाएं रोकने को लेकर शुक्रवार को एसपी प्रशांत अग्रवाल ने यातायात में पदस्थ अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अफसरों से कहा कि शहर में नाबालिग वाहन चालकों पर कार्रवाई के साथ ही उनके पैरेंट्स पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। यही नहीं सड़क पर डीजे की धुन के साथ ध्वनी प्रदूषण करने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई का निर्देश एसपी अग्रवाल ने दिया है।

एसपी प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं नाबालिक वाहन चालकों की वजह से हो रही है अतः इन पर भी कार्रवाई की आवश्यकता है। छात्र छात्राएं शहर के भीतर वाहन चलाते देखे गए हैं जिनके द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाया जाता है, ऐसे नाबालिक वाहन चालकों पर भी कार्रवाई हो। जिससे इन्हें दुर्घटना के शिकार होने से बचाया जा सके। साथ ही इनके पैरेंट्स पर कार्रवाई होनी चाहिए जो इन्हें वाहन चलाने के लिए देते हैं।

दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी पर जताई चिंता

एसपी अग्रवाल ने समीक्षा बैठक में विगत वर्ष 2021 की तुलना में 2022 सड़क दुर्घटना में 24 प्रतिशत की वृद्धि होने पर चिन्ता जाहिर करते हुए ब्लैक स्पॉट में सुधार व चालानी कार्रवाई बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अत्यधिक दुर्घटना जन्य स्थलों का चिहांकन कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों का विश्लेषण कर संबंधित निर्माण एजेंसियों से आवश्यक सुधार करवाने पर जोर दिया। दुर्घटना जन्य स्थलों के आसपास के स्कूल कॉलेज एवं ग्राम पंचायतों में जाकर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी एवं पालन किए जाने के लिए यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने बताया गया।

2021 की तूलना में 2022 की चालानी कार्रवाई

- 2021 में नो पार्किंग के 10862 प्रकरण बनाए गए वहीं 2022 में 20616 प्रकरण।
- तेज रफ्तार वाहन चालकों के 2021 में 3828 प्रकरण व 2022 में 5736 प्रकरण।
- मोबाइल से बात करना के 2021 में 697 प्रकरण व 2022 में 2222 प्रकरण।
- बिना हेलमेट 2021 में 15343 प्रकरण और 2022 में 25789 प्रकरण।
- लाइसेंस निलम्बन 2021 में 477 प्रकरण और 2022 में 1052 प्रकरण।

टाटीबंध चौक पर समन्वय से हो काम

टाटीबंध चौक में फ्लाईओवर निर्माण तक सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने निर्देश दिए। बैठक के दौरान टाटीबंध चौक में फ्लाईओवर निर्माणाधीन होने के कारण यातायात मे हो रही असुविधाओं की ओर ध्यान देते हुए निर्माण एजेंसियों से समन्वय स्थापित करते हुए अधिक संख्या में बल लगाने, प्रत्येक दो घंटे में पानी का छिड़काव कराने तथा वाहनों के खराब होने के कारण लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए 40 टन वजन क्षमता का क्रेन वाहन उपलब्ध कराने हेतु निर्माण एजेंसियों से व्यवस्था कराने निर्देशित किया गया।

इस दौरान वर्ष 2022 मोटर यान अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही की समीक्षा की गयी। एसपी प्रशांत अग्रवाल द्वारा वर्ष 2022 में मोटर यान अधिनियम के तहत बिना हेलमेट, तीन सवारी, रांग साइड व शराब पीकर वाहन चलाने वालो के खिलाफकी गई कार्यवाही को और बढ़ाने के साथ ही *नो पार्किंग पर वाहन खड़ा करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने डिवाईस से मौके पर ही ई-चालान बनाने निर्देश दिया गया था। बैठक के दौरान यातायात विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2021 की अपेक्षा 2022 में यातायात विभाग द्वारा कार्रवाई बढ़ाई गई है।

जांजगीर-चांपा में पटवारी कार्यालय के सामने भतीजों ने कर दी चाचा की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में हत्या का ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर रौंगटे खड़े हो जाएंगे। दरअसल दो भतीजों ने जमीन विवाद में अपने ही चाचा की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की यह वारदात पटवारी कार्यालय के सामने अंजाम दिया गया। दोनों ने अपने ही चाचा को पटवारी कार्यालय के सामने पीटा और पत्थर से पटककर जान ले ली। इस दौरान दोनों ने अपने चाचा के शव को भी बुरी तरह से रौंदा। खासबात यह है कि इस पूरी घटना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें दोनों भतीजे दंबगई दिखा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना जांजगीर चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खोरबहरा साहू तनौद गांव में अपनी जमीन का सीमांकन कराने के लिए पहुंचा था। वह बिलासपुर के सोन लोहर्सी गांव में रहता था। इसके लिए वह पटवारी कार्यालय में बैठा था और यहां का अफसर सीमांकन की तैयारी कर रहा था। इस बीच खोरबहरा साहू के दो भतीजे संतोष साहू और उत्तम साहू पटवारी कार्यालय पहुंच गए।

दोनों ने उक्त जमीन के सीमांकन का विरोध किया।

पटवारी कार्यालय के बाहर ही दोनों भतीजों ने अपने चाचा खोरबहरा से विवाद करने लगे। इस बीच दोनों के बीच हाथापाई भी शुरू हो गई। इसके बाद दोनों ने चाचा को गिरा दिया और पत्थर से उसे मार दिया। मौके पर ही उसने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। इस बीच पटवारी कार्यालय के पास खड़े कुछ लोगों ने इसका वीड़ियो भी बना लिया लेकिन किसी ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इधर हत्या के बाद दोनों आरोपी भागने की फिराक में थे लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ के इस जिले में पिता-पुत्र ने लगाई फांसी, बेटी ने भी की आत्महत्या की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में सनसनी खेज घटना सामने आई है। यहां एक पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता को फंदे में लटका देख बेटे ने भी फांसी लगा ली। पिता-पुत्र की आत्महत्या के बाद बेटी ने भी आत्महत्या की कोशिश की। हालांकि तब तक आसपास के लोगों को इसकी जानकारी लग गई और लोगों ने बेटी को बचा लिया। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को पीएम के लिए भेजा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

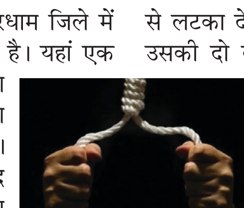

मिली जानकारी के अनुसार कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र स्थित बिरनपुर निवासी पंचराम निषाद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात की है। गुरुवार रात को घर पर पंचराम अकेला था और घर के सभी लोग कहीं बाहर गए हुए थे। आधीरात के करीब घर के लोग पहुंचे और पंचराम को फंदे से लटका देखा। पंचराम का बेटा दयालू और उसकी दो बेटियां यह देख बदहवास हो गई और आसपास लोगों के बुलाने चली गई।

पंचराम की दोनों बेटियां जब लौटी तो उसके 17 साल के भाई दयालू ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद तो दोनों बहने फूट-फूट कर रोने लगी। इतने में एक बहन ने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया। गांव वालों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर लड़की को बचाया वह भी आत्महत्या की कोशिश करने लगी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शुक्रवार को दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शवों को घरवालों के सुपूर्द कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतक पंचराम अक्सर बीमार रहता था और इसी वजह से उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

दो बच्चों की मां ने अपने प्रेमी भांजे के साथ की खुदकुशी, फंदे पर लटका मिला दोनों का शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक दो बच्चों की मां ने अपने प्रेमी भांजे के साथ खुदकुशी कर ली। दोनों एक दूसरे के प्यार में इतने पागल थे कि खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। घटना शुक्रवार की है। इस मामले में सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जगदलपुर के बोधघाट थाना क्षेत्र के गंगामुंडा निवासी विष्णु साहू (32) को अपने मामा की 33 वर्षीय पत्नी से प्यार हो गया। युवक की मामी के दो बच्चे हैं। मामी में भी अपने भांजे के प्रति आकर्षित थी। सभी एक घर में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते थे। शुक्रवार को दोनों घर पर अकेले थे। शाम को घर के सदस्यों का आना शुरू हुआ। सबसे पहले विष्णु साहू का छोटा भाई घर पहुंचा और उसने दरवाजा खटखटाया।

काफी देर तक दरवाजा किसी ने खोला नहीं तो वह खिड़की की ओर गया। खिड़की से उसने देखा कि उसका भाई विष्णु व उसकी मामी एक साथ फंदे पर लटके हैं। यह नजारा देख वह बदहवास हो गया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इस बीच घर के बाकी सदस्य भी आ गए। घटना की सूचना बोदधाट पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने बताया कि मामी व भांजे के बीच अवैध संबंध की बात पता चली है और बदनामी के डर से दोनों ने फांसी लगा ली। फिलहाल मामले की विवेचना की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को मिली 20 साल की सजा

बिलासपुर (ए)। शादी करने का झांसा देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपित को न्यायालय ने 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड नहीं देने पर अतिरिक्त सजा भुगतानी होगी।

मुंगेली जिला के रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी रोजी-मजदूरी करती है। पांच नवंबर 2021 को वह बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रहने वाली अपनी बुआ के घर आई थी। नौ नवंबर को दोपहर तीन बजे किशोरी काम के लिए जाने की बात कहकर घर से निकली। इसके बाद लौटकर नहीं आई। फिर उसकी बुआ ने स्वजन को घटना के बारे में जानकारी दी। स्वजन आसपास के रिश्तेदारों से संपर्क कर खोजबीन की। लेकिन किशोरी के बारे में कुछ पता नहीं चला। इसके बाद स्वजन ने सिविल लाइन थाना में अपराध दर्ज कराया। पुलिस अपराध दर्ज कर किशोरी की तलाश करने लगी।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि किशोरी सरकंडा के लिंगियाडीह श्याम नगर के रहने वाला लव अहिरवार(20) के कब्जे में है। 26 नवंबर 2021 को पुलिस की टीम ने दबिश देकर आरोपित लव अहिरवार के कब्जे से किशोरी को बरामद किया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि लव अहिरवार शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगाकर ले गया था। इसके बाद उसने दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए लव अहिरवार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

जांच पूरी होने पर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय ने मामले में फैसला सुनवाई। साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपित लव अहिरवार को दोषी पाया गया। न्यायालय ने उसे 20 साल कैद और पांच सौ रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

10 किलो गांजा के साथ तीन गिरफ्तार, रायपुर से जा रहे थे कोरबा

बिलासपुर (ए)। सरकंडा पुलिस ने छठ घाट के पास घेराबंदी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपित युवक रायपुर क्षेत्र से गांजा लेकर कोरबा की ओर जा रहे थे। पुलिस को देखकर वे वाहन छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे। जवानों ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। युवकों के कब्जे से 10 किलो गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सरकंडा थाना प्रभारी फैजुल होदा शाह ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर गांजा तस्करी की सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि कुछ लोग बोलेरो में गांजा लेकर कोरबा की ओर जा रहे हैं। इस पर छठ घाट के पास घेराबंदी की गई। पुल के पास जवानों को देखकर तीन लोग बोलेरो के छोड़कर भागने की कोशिश करने लगे। जवानों ने दौड़ाकर धर्मेंद्र टंडन(31) निवासी ग्राम मुनरेठी थाना मंदिर हसौद जिला रायपुर, प्रसुनजीत प्रमाणिक (22) कुरुद थाना आरंग जिला रायपुर और रामसाय पटेल(48) निवासी ग्राम कुरा थाना धरसींवा जिला रायपुर को पकड़ लिया। आरोपित के वाहन की तलाशी में 10 किलो गांजा मिला। पूछताछ में आरोपित युवकों ने बताया कि वे रायपुर से गांजा लेकर कोरबा की ओर जा रहे थे। पुलिस ने गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

दुर्ग रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प मिलेंगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं

बजट 2023-24 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को मिले 8 हजार करोड़ से ज्यादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इस बार के बजट में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 3 स्टेशनों बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग को स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत चिन्हित किया गया है। इन 3 स्टेशनों का पुनर्विकास एयरपोर्ट की तर्ज पर मल्टी मॉडल इंट्रीग्रेशन रेगुलेटेड ट्रैफिक मूवमेंट, वर्ल्ड क्लास फ़ैसिलिटी, सस्टेनेबल डिजाइन के साथ नई बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। जिसमें कानकोर्स सुविधा रिटेल शॉप आदि, रेस्टोरेन्ट आदि का प्रावधान किया।

2023-24 का बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन ने रेलवे के लिए खजाना खोल दिया है। पहली बार रेलवे के लिए इस बार 2.41 लाख करोड़ का बजट दिया गया। वित्तमंत्री की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ में भी रेल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इस बजट में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए 8000 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रावधान किया गया है।

1 फरवरी, 2023 को संसद में मोदी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट प्रस्तुत किया गया। इसी परिपेक्ष्य में रेलवे में चल रही विभिन्न परियोजनाओं, नई परियोजनाओं, कार्यो एवं मदों के लिए बजट का प्रावधान किया गया है ।

रेलवे के लिए जारी की गई बजट प्रावधान में मुख्यत: वंचितों को वरीयता को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया गया है। रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रेसवार्ता ली और उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ को इससे क्या लाभ होगा। बजट 2023-24 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए 8404 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया।

अमृत भारत स्टेशन योजना

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निम्नांकित 48 स्टेशनों के विकास के लिए चिन्हित किया गया है। इन स्टेशनों में वेटिंग हॉल, फूड स्टाल एवं रिटेल आउटलेट को एकीकृत करके बनाया जाएगा ताकि यात्रियों को एक ही जगह ये सारी सुविधाएं मिल सके। इन स्टेशनों में लिफ्ट / एस्केलेटर हाई लेवल प्लेटफार्म, टायलेट्स, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टाल, स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया का विकास, स्टेशनों को स्थानीय कला एवं संस्कृति द्वारा सौंदर्यीकरण इत्यादि यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन विकास के लिए कार्य किया जाएगा ।

भाटापारा, भिलाई पावर हाउस, तिल्दा नेवरा, बिल्हा, भिलाई, बालोद, दल्ली राजहरा, भानूप्रतापपुर, हठबंध, सरोना, बलोदा, मंदिर हसौद, उरकुरा, निपानिया, भिलाई नगर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, इतवारी, कामटी,आमगांव, भंडारा रोड, तुमसर रोड, मंडला फोर्ट, वडसा, चंदा फोर्ट, बालाघाट, नैनपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बेलपहाड़, रायगढ़, बाराद्वार, चांपा, नैला, अकलतरा, कोरबा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, बैकुंठपुर, अंबिकापुर, ब्रजराजनगर, बिलासपुर।

यह होंगे कार्य

Description/ विस्तृत जानकारी	Budget Grant/ बजट अनुदान (करोड़ में)
नई लाइन (New Line)	2946
आमान परिवर्तन (Gauge Conversion)	86.51
दोहरीकरण (Doubling)	1962.43
यातायात सुविधा-यार्ड रिमाडलिंग एवं अन्य (Traffic Facilities – Yard Remodeling & Others)	207.08
कम्प्यूटरीकरण (Computerisation)	1.73
रोड संरक्षा कार्य-लेवल क्रासिंग (Road Safety Works-Level Crossing)	13.99
रोड संरक्षा कार्य –आरओबी/आरयूबी (Road Safety Works-ROB/RUB)	574.88
ट्रैक नवीनीकरण (Track Renewals)	610
पुल, टनल एवं सड़क संबंधी कार्य (Bridge Works, Tunnel works & Approaches)	22
संकेत एवं दूरसंचार कार्य (Signaling and Telecommunication works)	158.07
विद्युत संबंधी अन्य कार्य, ट्रैकशन वितरण कार्यसहित (Other Electrical Works incl. Traction Distribution works)	228.15
वर्कशाप के साथ प्रोडक्शन युनिट (Workshops including production Units)	79.00
कर्मचारी कल्याण (Staff Welfare)	9.96
यात्री सुविधाएं (Passenger Amenities)	248.37
अन्य विशिष्ट कार्य (Road Safety Works-ROB/RUB)	16.45
प्रशिक्षण/मानव संसाधन विकास (Training/HRD)	0.66
कुल प्रावधान	8403.98

क्र.	नए मल्टीट्रेकिंग कार्य	कि.मी.
1.	मड़वारानी – सरगबुंदिया तीसरी लाइन	13
2.	राजनांदगांव – डोंगरगढ़ चौथी लाइन	31.2
3.	दाधापारा – बिल्हा चौथी लाइन	9.2
4.	खरसियां – झाराडीह चौथी लाइन	5.8
5.	बिल्हा – दगौरी चौथी लाइन	6.5
6.	भाटापारा – हथबंध चौथी लाइन	16
7.	शहडोल – सिंहपुर चौथी लाइन	06
8.	करगी – सल्का तीसरी लाइन	08
9.	भिलाई – भिलाई नगर चौथी लाइन	8.8
10.	भिलाई नगर - दुर्ग लिंक चौथी लाइन	2.8
11.	निपनिया – भाटापारा चौथी लाइन	14.4
	कुल	121.7 कि.मी.

प्लेट मिल में सुरक्षा सप्ताह का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एक महत्वपूर्ण विभाग प्लेट मिल में सुरक्षा सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया। 2 फरवरी 2023 को इसके समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार विषेष रूप से उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यु) असित साहा, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) सुशील कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) आर के बिसारे, महाप्रबंधक (अग्निशमन) बी महापात्रा, महाप्रबंधक (सुरक्षा) अग्रवाल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मिल जोन के सभी विभागीय सुरक्षा अधिकारियों को विषेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) आर के बिसारे ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि ईडी (वर्क्स) अंजनी कुमार ने सदैव ही सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दी है। हमें समय-समय पर उनका मार्गदर्शन मिलता रहा है। यही वजह है कि आज प्लेट मिल सुरक्षित उत्पादन के लिए कृत संकल्पित है। सुरक्षा सप्ताह का आयोजन हमें सुरक्षा की निरन्तर स्मरण कराता है। हमें सुरक्षित कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। मैं यहां पधारे सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। प्लेट मिल के विभागीय सुरक्षा अधिकारी एव महाप्रबंधक श्री डी षडंगी, ने अपने सुरक्षा प्रतिवेदन में सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा सप्ताह के साथ-साथ हमें प्रतिदिन सुरक्षा अपनाना है जिससे हमारा कोई भी कार्मिक हताहत न हो। कार्य के दौरान हमें सम्पूर्ण सुरक्षा का ध्यान रखना है।

साथ ही हमें वाहन चलाते वक्त मोबाइल पर बात नहीं करना चाहिए। ड्यूटी आते या जाते वक्त हड़बड़ी न करें। हड़बड़ी ही सारी गड़बड़ी की जड़ है। सुरक्षित उत्पादन ही हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में दिए गए सुरक्षा सन्देश की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा का अनुपालन सिर्फ सुरक्षा सप्ताह नहीं वरन प्रत्येक दिन होना चाहिए। मुख्य अतिथि ने सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। इसमें प्लेट मिल के ऑपरेषन, मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल सेक्शन के दो-दो कार्मिकों को बेस्ट सेफ्टी मैन अवार्ड से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त सेफ्टी हार्नेस प्रतियोगिता, सेफ्टी क्विज, सुरक्षा कविता, नारा, निबंध प्रतियोगिता, सुरक्षा सुझाव तथा सुरक्षा पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

मोर जमीन मोर चिन्हारी के तहत 8 को होगी आवास आबंटन की प्रक्रिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोगों का सपना होता है कि उनका एक खुद का पक्का घर हो, यह सपना शीघ्र ही साकार होने जा रहा है। मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत जो हितग्राही पात्रता की श्रेणी में आते हैं उन्हें आवास दिया जाएगा। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर मकान मोर चिन्हारी घटक के तहत आवास आबंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लॉटरी निकाल कर आवास आबंटन किया जाएगा।

इसके लिए 8 फरवरी की तिथि नियत रखी गई है। 8 फरवरी दिन बुधवार को समय 11:00 बजे निगम मुख्य कार्यालय के सभागार में लॉटरी पद्धति से आवास आबंटित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आवास आबंटन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इसी तारतम्य में आवास आबंटन की प्रक्रिया की जा रही है। मोर जमीन मोर चिन्हारी के तहत जिन्होंने समानुपातिक अंशदान की पूरी राशि जमा कर दी है उन्हें सूचना पत्र देकर अनिवार्य रूप से लॉटरी में शामिल होने कहा गया है, इसके लिए आवास शाखा के माध्यम से दूरभाष से भी सूचना दी जा रही है तथा निगम कार्यालय में बुलाकर सूचना पत्र तामिल किया जा रहा है। लॉटरी में शामिल होने के लिए आधार कार्ड तथा जमा की गई राशि की रसीद के साथ उपस्थित होने हेतु सूचना दी गई है। 308 हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन के लिए प्रक्रिया की जाएगी। प्रभारी अधिकारी योजना विद्याधर देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस लॉटरी में जो भी हितग्राही शामिल होंगे जिन्होंने अंशदान की राशि जमा की है उन सभी को आवास मिलना तय है। गौरतलब है कि नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत 444 यूनिट आम्रपाली हाउसिंग बोर्ड, रजत बिल्डर्स, स्वप्निल बिल्डर्स, परियोजना 1120 सूर्या विहार के पीछे खमरिया, 896 यूनिट के माइलस्टोन स्कूल के पास, ग्रीन वैली खमरिया एवं 1875 यूनिट के अंतर्गत कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के पास खमरिया के आवासों में विभिन्न योजना स्थल/केनाल रोड से प्रभावित परिवारों को व्यवस्थापन किया जा रहा है।

देवी चित्रलेखा ने कथा में गौ माता की रक्षा करने का दिया मूल मंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुरानी गंजमडी, गंजपारा, दुर्ग में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिवस आज हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी उत्तम्रस्थित रहे, कथा में भीड़ को देखते हुए आज पंडाल को और अधिक बड़ा किया जा रहा है।

कथा के दौरान आज देवी चित्रलेखा जी ने लोगो को गौ माता की रक्षा करने का मूल मंत्र दिया युवाओ को प्रेणा देते हुए उन्हें गौ माता की रक्षा करने के लिए आगे आने को कहा साथ-साथ किसानो को भी खेती में विषैले उर्वरको की जगह गौ माता का स्वनिर्मित गोबर से बने खाद का उपयोग करने को कहा ताकि खेतो में अच्छी फसल के साथ प्राकृतिक हो जिससे खाद्य पर्दार्थ मानव शरीर को रोग मुक्त कर सके देवी जी ने कथा के दौरान गौ माता की दयनीय दशा की और ध्यान आकर्षित करते हुए लोगो को

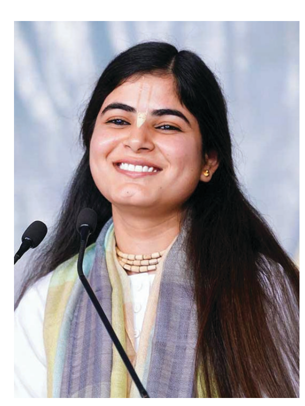

गौ माता को पलने के लिए प्रेणा दी गौ माता बचेगी तो देश बचेगा,लोगो को भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए प्रेरित किया। कथा इसलिए नहीं है कि जीवन परिवर्तित हो जाए, ये कथा सिर्फ प्रभु के आनंद को जीने के लिए है। आ जाओ कथा में और जब बैठो तब छोड़ दो प्रभु पर सब कुछ । चिंता इतनी करो की काम हो जाए । पर इतनी नही की जिंदगी तमाम हो। मस्त रहिये, हरिनाम में व्यस्त रहिये। देवी जी ने भागवत कथा में भगवान के 24 अवतारों आदि परषु, चार सनतकुमार, वराह, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, याज्ञ, ऋषभ, पृथु, मतस्य, कच्छप, धनवंतरी, मोहिनी, नृसिंह, हयग्रीव, वामन, परशुराम, व्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि। का वर्णन किया कलियुग के आरंभ में पांडवकुल भूषण राजा परीक्षित के तपस्यारत शमीक ऋषि के गले में सर्प डालने तथा ऋ ष पुत्र के राजा को नाग द्वारा डसने संबंधी श्राप दिए जाने की कथा भी सुनाई। वहीं ऋषियों के परीक्षित को श्राप से मुक्ति दिलाने का उपाय का वर्णन करते हुए श्रीमद्भागवत कथा श्रवण को मुक्ति का सरल उपाय बताया। आदि आदि वर्णन कराया तो माता देवहुति को सच्चा ज्ञान हो गया । और योग का श्रवण करते हुए माता देवहुति ने सिद्धिधा नामक नदी में अपने मानसिक शरीर का संकल्प कर दिया। और आगे कथा प्रसंगों में हिरण्याक्ष का वध व हिरण्यकशिपु की कथा, सति चरित्र, ध्रुव चरित्र, ध्रुव जी के वंश का निरूपण व खगोल विज्ञान का वर्णन आदि आदि कथाओ का श्रवण कराते पूज्या गौ माता की दुर्दशा को कहा की हमारी माता की स्थिति बहुत ख़राब हो चुकी है जिसका कारण हम स्वयं हैं हमें गौ माता के उसी दर्जे को जो द्वापरयुग में भगवान् कृष्ण के समय में था, दिलाने के लिए प्रयास करना चाहिए। और कथा के द्वितीय दिवस को नाम संकीर्तन के साथ विश्राम दिया गया। आज की कथा में कथा के मुख्य यजमान परिवार सुरेश अग्रवाल, गिरधारी शर्मा, आर. एस. तिवारी, प्रतीक अग्रवाल, सुयश तिवारी एवं विशेष रूप से के.के. चंद्रवंशी, (निज सहायक, मुख्यमंत्री निवास) राजेश यादव, (सभापति, दुर्ग) लक्ष्मण चंद्राकर, सुरेश शर्मा (अध्यक्ष संस्कृति बोर्ड,) पायल जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सफाई कार्य की होगी मॉनिटरिंग, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के सुचारू सफाई व्यवस्था के लिए रोजाना दो पालियों में ओवरब्रिज डिवाइडर सहित सड़क में सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग अमला ने ठगड़ा बांध ओवरब्रिज डिवाइडर सहित आसपास के इलाके का स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से सफाई अभियान चलाकर सफाई कार्य कराया गया।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा स्वच्छता और सुंदरता के साथ साथ विकास की ओर हमारा दुर्ग अग्रसर हो रहा है। शहर से लगे ओवरब्रिज के आसपास के इलाके की साफ-सफाई हुई, स्वास्थ्य विभाग के सफाई मित्रों की विशेष गैंग लगाकर ओवरब्रिज क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलवाया। सफाई मित्रों ने कचरे की साफ-सफाई करने के साथ ही झिल्ली पन्नी को एकत्रित कर सफाई किया गया।

जल जीवन मिशन को लेकर केआरसी लेवल-3 के 4 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रमुख संसाधन केंद्र (केआरसी) लेवल -3 के 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व समर्थन सेंटर फॉर डेवलेपमेंट सपोर्ट द्वारा होटल कैम्बियन में 02 फरवरी को समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में 20 गांव के 55 प्रतिभगियों ने भाग लिया था। 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में जल जीवन मिशन के विभिन्न घटकों का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गांव में चल रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकास कार्य से जुड़ी जानकारी दी गईं, जिसमे जल शुद्धता, जल गुणवत्ता, जल संरक्षण इत्यादि जमीनी हकीकत से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया गया। जिससे भविष्य में होने वाले जल संकट से निपटने के लिए ग्रामीण चुनौतियों का सामना कर सके। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्राम सभा मे सरपंच, सचिव व ग्राम समितियों की भूमिका व उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। जिससे भविष्य में होने वाले ग्राम सभाओं में वे अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सके। 04 दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर सभी प्रतिभागियों को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रतिभागियों ने काफी सराहना की, उनका मानना था कि यह प्रशिक्षण उनके जीवन के साथ गांव में बदलाव लायेगा। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता एफ सी. बोरकर, सहायक अभियंता सुसन जैकब, मान. चित्रकार गीता स्वर्णकार, समेत जल जीवन मिशन के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

बिना अनुज्ञप्ति एवं गुमास्ता लाइसेंस के व्यवसाय किया जा रहा था संचालित

कार श्रृंगार को निगम ने किया सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सूर्या मॉल चौक के पास पर परियापारा विनोबा नगर में व्यवसायिक प्रतिष्ठान मास कार श्रृंगार द्वारा बिना अनुज्ञप्ति एवं गुमास्ता लाइसेंस के व्यवसाय धड़ल्ले से संचालित किया जा रहा था, जबकि निगम ने इस दुकान का गुमास्ता तथा अनुज्ञप्ति लाइसेंस निरस्त कर दिया था।

इसको लेकर भिलाई निगम की टीम ने दुकान संचालक को नोटिस जारी किया था साथ ही पूर्व में भी कार्रवाई करने निगम की टीम पहुंची थी और समझाइश देकर वापस लौट गई थी। आज भिलाई निगम की टीम कार्यपालिक मजिस्ट्रेट किशोर वर्मा, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और दुकान को सील बंद करने की कार्रवाई की। इस दौरान भिलाई निगम के जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, सहायक राजस्व अधिकारी धीरज साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना तथा स्मृति नगर के चौकी प्रभारी भी मौजूद रहे। दुकान मालिक विजय पासवान के द्वारा कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने का भरपूर प्रयास किया गया तथा सील बंद की कार्यवाही का दुकान संचालक ने काफी विरोध भी किया। शासकीय कार्य में किए जा रहे बाधा को देखते हुए पुलिस बल के द्वारा विजय पासवान को वहां से हटाया गया और स्मृति नगर चौकी ले गई। तब जाकर भिलाई निगम के नेहरू नगर के राजस्व विभाग के द्वारा दुकान को सील बंद करने की कार्रवाई की गई। नेहरू नगर कार्यालय के जोन आयुक्त राजेंद्र नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि गुमास्ता लाइसेंस एवं अनुज्ञप्ति लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी दुकान संचालक विजय पासवान के द्वारा दुकान का संचालन किया जा रहा था, जिसमें कार शृंगार से संबंधित सामग्री का विक्रय किया जा रहा था, इसको लेकर पूर्व में भी नगर निगम की टीम ने दुकान को बंद करने की समझाइश दी थी, बावजूद इसके दुकान संचालक के द्वारा निगम की समझाइस को अनदेखा किया गया और अपना व्यापार चलाता रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950